MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

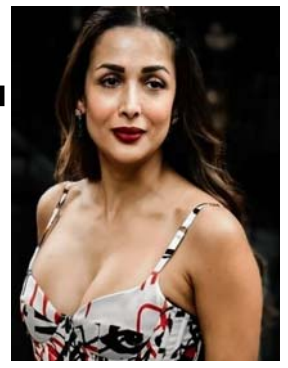

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 60 | ग्वालियर, सोमवार 11 नवम्बर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

अभ्यर्थियों के समर्थन में उतरीं मायावती

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित कराए जा रहे पीसीएस प्री 2024 और प्रारंभिक परीक्षा 2023 को लेकर प्रयागराज में हजारों की संख्या में छात्र प्रदर्शन कर कर रहे हैं। छात्र यूपी लोक सेवा आयोग के कार्यालय के गेट पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और परीक्षा को वन डे और वन पेपर में कराने की मांग कर रहे हैं। इस बीच अब बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती भी छात्रों के समर्थन में उतर आई हैं। आइए जानते हैं कि उन्होंने इस मुद्दे पर क्या कहा है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस तथा आरओ-एआरओ की भी प्रारंभिक परीक्षा-2024 एक समय में कराने में विफलता को लेकर आक्रोशित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति की खबर का व्यापक चर्चा में रहना स्वाभाविक है। मायावती ने सवाल उठाया कि क्या यूपी के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है। पेपर लीक पर रोक व परीक्षाओं की विश्वसनीयता अहम मुद्दा है जिसके लिए एक बार में ही परीक्षा व्यवस्था जरूरी है। मायावती ने कहा कि सरकार इस ओर ध्यान दे।बसपा प्रमुख मायावती ने आगे कहा कि गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि की जबरदस्त मार झेल रहे छात्रों के प्रति सरकार का रवैया क्रूर नहीं बल्कि सहयोग एवं सहानुभूति का होना चाहिए। इसको लेकर सरकार खाली पड़े सभी बैकलॉग पर जितनी जल्दी भर्ती की प्रक्रिया पूरी करे उतना बेहतर है। मायावती ने कहा कि लोगों को रोजी-रोजगार की सख्त जरूरत है। प्रयागराज में छात्रों के बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए पुलिस फोर्स के साथ ही क्रक्र की भी तैनाती की गई है। छात्रों का कहना है कि उनका यह विरोध प्रदर्शन अनिश्चितकालीन है। जब तक कि आयोग की ओर से उन्हें एक दिन और एक शिफ्ट में ही परीक्षा कराने का आश्वासन नहीं मिल जाता तब तक उनका विरोध प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आयोग से नार्मलॉइजेशन का फैसला वापस लेने की भी मांग कर रहे हैं।

प्रेमी गालिब के प्यार में दीवानी महिला ने करवा दी पति की हत्या, स्कॉर्पियो कार से रौंदा

किशनगंज। बिहार के किशनगंज से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बेवफा पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की निर्दयता से हत्या कर दी। इस मामले में पत्नी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है और पत्नी के प्रेमी गालिब की पुलिस तलाश कर रही है। मामला पौआखाली थाना क्षेत्र के बांसबाड़ी कचहरी महादलित टोला निवासी प्रगेश लाल राय हत्याकांड से जुड़ा है। इस मामले में ये सामने आया है कि पत्नी बतासी देवी ने अपने प्रेमी के साथ षड्यंत्र रचकर अपने पति की हत्या की है। दरअसल पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के माथाभंगा इलाके की रहने वाली बतासी देवी कभी ईंट भट्टे में मजदूरी के सिलसिले में पौआखाली थाना क्षेत्र के हमला आमबाड़ी इलाके में आई थी। यहीं प्रगेश लाल राय जो ईंटभट्ठे में जेसीबी और ट्रैक्टर चलाने का काम करता था, उसके साथ बतासी की नजदीकियां बढ़ीं। कुछ ही दिनों बाद ये नजदीकियां प्यार में तब्दील हो गईं और दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया। इस बीच बतासी देवी ने 2 पुत्री और एक पुत्र को जन्म दिया। लेकिन कुछ वर्षों के बीतने के बाद ही प्रगेश की पत्नी की नीयत डोल गई और उसका मेलजोल हमला गांव निवासी गालिब से हो गया। गालिब के पिता मो इजराइल ईटभट्ठा मालिक हैं और उसी ईंटभट्ठे में बतासी देवी और उसका पति प्रगेश लाल राय मजदूरी करता था। इस वजह से गालिब को प्रगेश की पत्नी के करीब आने का मौका भी मिल गया और उसका उनके घर आना-जाना होने लगा। इसके बाद दोनों के बीच इश्क परवान चढ़ा और गालिब-बतासी के बीच अवैध संबंध हो गए। इसकी भनक लगने के बाद से ही पति प्रगेश और उनके माता पिता इसका विरोध करने लगे। पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़ा होता था। पति का विरोध करना पत्नी को इतना नागवार गुजरा कि उसने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का षड़यंत्र रचा। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई और इस हत्या को एक्सीडेंट की शक्ल देने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने महज दो दिनों के अंदर षड्यंत्रकारी पत्नी सहित तीन अन्य की गिरफ्तारी की और मामले का खुलासा किया।

कंगना रनौत की बढ़ी मुश्किलें, बयान में फंसी, आगरा के कोर्ट ने जारी किया नोटिस

कंगना के खिलाफ एडवोकेट रमाशंकर शर्मा ने स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए में वाद दायर किया गया था। इसकी सुनवाई मंगलवार को हुई। कोर्ट ने कहा कि कंगना रनौत अपना पक्ष कोर्ट में आकर रखे। इसके लिए न्यायाधीश ने उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले को लेकर एडवोकेट रमाशंकर शर्मा ने कहा, मैंने भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में मामला दर्ज कराया था। 27 अगस्त को हमने उनका एक बयान पढ़ा, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन से लेकर बांग्लादेश के हालात तक की बात कही।

बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश के मंडी सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ राष्ट्र द्रोह एवं किसानों के अपमान के मामले में कोर्ट द्वारा नोटिस जारी किया गया है। किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर दिए गए बयान के मामले में आगरा के स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट की तरफ से कंगना रनौत को नोटिस जारी करने का आदेश दिया गया है। कोर्ट ने नोटिस के माध्यम से कंगना रनौत जवाब मांगा है। कंगना के खिलाफ एडवोकेट रमाशंकर शर्मा ने स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए में वाद दायर किया गया था। इसकी सुनवाई मंगलवार को हुई। कोर्ट ने कहा कि कंगना रनौत अपना पक्ष कोर्ट में आकर रखे। इसके लिए न्यायाधीश ने उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले को लेकर एडवोकेट रमाशंकर शर्मा ने कहा, मैंने भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में मामला दर्ज कराया था। 27 अगस्त को हमने उनका एक बयान पढ़ा, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन से लेकर बांग्लादेश के हालात तक की बात कही। उन्होंने एक और बयान दिया जो 17 नवंबर 2021 को अखबारों में छपा, जिसमें उन्होंने महात्मा गांधी का अपमान किया। कंगना रनौत के खिलाफ आगरा के सीनियर एडवोकेट राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को एक वाद दायर किया था। इस वाद में कहा गया कि 27 अगस्त 2024 को कंगना रनौत ने एक बयान जो अखबारों में छपा था पढ़ा, जिसमें कंगना ने कहा कि अगस्त 2020 से दिसंबर 2021 तक जो किसान दिल्ली बॉर्डर पर काले कानूनों के विरोध में धरने पर बैठे थे, वहां हत्याएं हो रही थीं, बलात्कार हो रहे थे और अगर उस समय देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो देश में बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो जाते। कंगना रनौत पर वादी अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने आरोप लगाया है कि कंगना रनौत ने देश के करोड़ों किसानों का अपमान किया है। किसानों को हत्यारा बलात्कारी और उग्रवादी तक कह दिया है। गौरतलब है कि कंगना रनौत ने 2021 में किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर बयानबाजी की थी। उन्होंने कहा था कि गाल पर चांटा खाने से भीख मिलती है आजादी नहीं। कंगना ने कहा था कि देश को असल मायने में आजादी 2014 के बाद मिली है। साथ ही किसान आंदोलन को लेकर कहा था कि कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शन में खालिस्तानी आतंकी शामिल है। इन दोनों ही बयानों के बाद कंगना का जबरदस्त विरोध भी हुआ था।

चीन में 62 साल के बूढ़े ने दर्जनों लोगों पर दौड़ाई कार

35 की मौत और 43 घायल

बीजिंगः चीन के झुहाई में 62 साल के एक बुजुर्ग ने लोगों के समूह पर कार चढ़ा दी। इससे 35 लोगों की मौत हो गई। जबकि 43 अन्य घायल हुए हैं। चीन सरकारी टेलीविजन सीसीटीवी ने मंगलवार को बताया कि चीन के दक्षिणी शहर झुहाई में सोमवार शाम को एक खेल केंद्र के बाहर लोगों के एक समूह पर कार चढ़ जाने से पैंतीस लोगों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने वाला संदिग्ध 62 वर्षीय तलाकशुदा पुरुष था, जिसने भीड़ में कार घुसा दी। संदिग्ध व्यक्ति चाकू से पहले खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। तभी पुलिस ने उसे मौके पर ही काबू कर लिया। झुहाई पुलिस द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, संदिग्ध को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि यह हमला था या दुर्घटना। किसी मकसद का उल्लेख नहीं किया गया और पुलिस ने कहा कि जांच जारी है। चीन में हुई इस हैरतअंगेज घटना से सड़क पर दूर तक लाशें ही लाशें नजर आने लगीं। काफी संख्या में लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि दर्जनों लोग जो घायल हुए वह मदद के लिए चीखते-पुकारते नजर आए। अन्य लोगों के बीच में दहशत का माहौल पैदा हो गया। लोग घटनास्थल पर ऐसा दुखद नजारा देखकर हैरान रह गए। बाद में चीन पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ की जा रही है।

बचपन के दिन याद कर रोने लगे धीरेंद्र शास्त्री

नई दिल्ली। भीलवाड़ा के कुमुद विहार में पांच दिवसीय हनुमंत कथा का बागेश्वर पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री वाचन कर रहे हैं। कथा के अंतिम दिन पंडित धीरेंद्र कृष्ण ने अपने बचपन की कहानी सुनाई। इस दौरान कथा उनकी आंखें भर आईं। उन्होंने कहा कि मेरे गुरुदेव जगतगुरु रामभद्राचार्य जी जयपुर में कथा कर रहे है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मथुरा में श्याम सुंदर बैठ नहीं जाएंगे तब तक वह मंदिर में दर्शन नहीं करेंगे। पंडित धीरेंद्र कृष्ण ने कथा के दौरान अपने बचपन की कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि बचपन में उनका भाव था कि परमात्मा अगर सक्षम व कृपा करेंगे तो वह ऐसा प्रण लेंगे कि किसी भी भाई को अपनी बहन की शादी के लिए परेशान ना होना पड़े। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा बहुत से लोग वर्तमान में मेरे लिए कहते हैं कि बागेश्वर बाबा पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बड़ा नाम है। हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज व चार्टर प्लेन में घूमते हैं। बाबा को देश विदेश में जानते हैं। मेरे प्रिय जनों बातें बहुत बड़ी-बड़ी हैं। इसके पीछे मेरा कितना संघर्ष रहा है वो मैं जानता हूं। हमारा उद्देश्य बड़े लोगों से मिलने का मतलब मेरा नाम फेमस करना नहीं है। हमारा उद्देश्य है कि अगर बड़े लोग हमारे को सहयोग कर देंगे तो हम गरीब बेटियों का विवाह धूमधाम से कर सकेंगे। बड़े लोग सम्मान उसी को देते हैं जब इनका काम फंसा हुआ होगा तभी बुलाएंगे काम निकलने के बाद वापस धन्यवाद नहीं देंगे। हमने तो दुख पा लिया। मैं तो भगवान से प्रार्थना करता हूं कि हमने दुख पाया वैसा दुख किसी को नहीं दें। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा ÷हमारा छोटा सा गांव और छोटी सी झोपड़ी थी। बाल्यकाल में हमें तीन दिन तक खाने का पता नहीं रहता था। भूख के मारे मेरी मां एक पारलेजी बिस्किट का पुड़ा लेकर आती थी, जिससे हम समय निकालते थे।

हिन्दू नौजवान को मां-बाप अच्छे संस्कार नहीं दे रहे, मौलाना तौकीर रजा का विवादित बयान

नई दिल्ली। अक्सर अपने बयानों को लेकर विवाद में रहने वाले मौलाना तौकीर रजा ने एक बार फिर से कई विवादित बयान जारी किए हैं। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में तौकीर रजा ने कहा है कि जयपुर में जो मेरा बयान था वो हुकूमत के लिए था कि हुकूमत की रूह कांप जाएगी लेकिन उसको ऐसे पेश किया गया कि वह हिन्दू समाज के लिए है, लेकिन ऐसा नहीं है। तौकीर रजा ने कहा कि हमारे नौजवान हमारे कंट्रोल में है और हमने उन्हें कंट्रोल में रखा हुआ है। और किसी भी हालात में कानून हाथ में नहीं लेना है। लेकिन इसका मतलब नहीं है कि हमारे नौजवान बुजदिल है। हम मुल्क में शांति ही चाहते हैं। मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि मैं हिन्दू समाज के बारे में ज्यादा सोचता हूं। हजारों मुस्लिम लड़कियों को हिंदू लड़के बहका कर ले गए। क्या हजारों हिन्दू लड़कियों का उन हिन्दू लड़कों पर अधिकार था कि नहीं तौकीर रजा ने आगे कहा कि हमारे हिन्दू नौजवान को उनके मां बाप अच्छे संस्कार नहीं दे रहे। मां बाप को उनपर भी नजर रखनी चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तौकीर रजा ने ये भी कहा कि मेरी बातें देश हित में होती हैं। मौलाना तौकीर रजा ने पीएम मोदी को लेकर भी टिप्पणी की है। रजा ने कहा कि पीएम ने जैसा कहा एक रहोगे तो सेफ रहोगे। पीएम को पीएम की हैसियत से बात करनी चाहिए।

ट्रेन का इंतजार कर रहे युवक को आया हार्ट अटैक

नई दिल्ली। पुलिस फोर्स के जवान जो शपथ लेते हैं आज उसका जीता जागता उदाहरण लोगों को अपनी आंखों से उस वक्त देखने को मिला जब त्रक्क के जवानों ने एक व्यक्ति को मौत के मुंह से निकाल लिया। यूपी के मुरादाबाद के रेलवे प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ट्रेन का इंतजार कर रहे एक यात्री को हार्ट अटैक आया और वो जमीन पर गिर पड़ा। युवक को गिरता देख थाने में बैठे त्रक्क कर्मी दौड़कर उसके पास पहुंचे और बिना देर किए उसे उठाकर बेंच पर लिटा दिया। इंस्पेक्टर परवेज खान ने यात्री के मुंह में गोली डाली और ष्ठक्क प्रक्रिया शुरू कर दी। इस कार्य में और साथी भी आ गए। कुछ ही देर में यात्री के शरीर में हलचल शुरू हो गई तब तक एंबुलेंस भी आ गई थी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सोमवार सुबह 11 बजे की है जब सुल्तानपुर निवासी 32 वर्षीय अमित पांडे प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर देहरादून जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। बेंच पर बैठे अमित अचानक प्लेटफार्म अचेत होकर गिर पड़े। यह दृश्य जीआरपी थाने के ठीक सामने घटा। यात्री को गिरता देख जीआरपी कर्मी दौड़े। यात्री के सीने पर हाथ रखा देख उन्हें हार्ट अटैक का अंदेशा हुआ। यात्री को सांस ठीक से नहीं आ रही थी और नब्ज धीमी पड़ रही थी। जीआरपी के इंस्पेक्टर परवेज खान भी हार्ट के मरीज हैं। उन्होंने मामले की गंभीरता को समझा और अपनी जेब से दवा निकालकर यात्री के मुंह में डाली। देखते ही देखते वहां भीड़ एकत्र हो गई।

पंचायत का पैसा उड़ाएंगे, दिल्ली मुंबई जाएंगे गाने पर थिरके राजद नेता

नई दिल्ली। बिहार के एक नेताजी का वीडियो शोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में नेताजी बार बाला के साथ डांस करते दिख रहे हैं। बिहार में जश्न के मौकों पर यह नजारा बेहद आम है, लेकिन चर्चा की वजह डीजे पर बज रहे गाने हैं। गानों के बोल हैं 卐मुखिया जी का बेटा हूं, पंचायत का पैसा उड़ाएंगे, दिल्ली मुंबई जाएंगे।卐 हालांकि, नेताजी का कहना है कि इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन गानों के बोल को नेताजी के इरादों से जोड़कर देखा जा रहा है। घटना बेगूसराय की है। यहां छठ महापर्व के मौके पर राजद नेता सह मुखिया ने बार बालओं के साथ डांस किया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें मुखिया जी बार बालाओं के साथ भोजपुरी गाना मुखिया जी का बेटा हूं, पंचायत का पैसा उड़ाएंगे, दिल्ली मुंबई जाएंगे गानों पर जमकर ठुमके लगाते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है की चेरिया बरियारपुर प्रखंड के सकरवासा पंचायत के मुखिया सुरेंद्र राम गांव में ही पुदिया नहर के पास छठ पूजा के संध्या अर्घ्य के दिन बार बालाओं का डांस का आयोजन किया गया था। इस डांस समारोह में बार बालाओं के साथ मुखिया सुरेंद्र राम ने भी जमकर ठुमके लगाए हैं, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि इस मामले में मुखिया सुरेंद्र राम ने बताया कि इसमें कोई गलत नहीं है। समारोह का आयोजन किया गया था, जहां वह उद्घाटन करने पहुंचे थे। हजार से ज्यादा की भीड़ थी, उन लोगों की डिमांड पर वह थोड़ा डांस कर लिए, जनता खुश हो गई। इसमें कुछ गलत नहीं है। वह पहले आर्केस्ट्रा में काम करते थे। इसलिए लोगों के आग्रह पर डांस कर लिया। इससे पहले भी कई नेताओं के डांस के वीडियो सामने आ चुके हैं। कई मौकों पर डांस के साथ गोली चलने की भी खबरें सामने आती हैं, लेकिन आरकेस्टा कल्चर को काबू में करने के लिए प्रशासन के प्रयास हमेशा ही नाकाफी साबित होते रहे हैं।

दर्दनाक हादसे में 4 महिलाओं की मौत, देवउठनी एकादशी पर मिट्टी लेने गईं थीं

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में बड़ा हादसा हुआ है। जिले के कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दीवार ढहने से उसके मलबे में दबकर 10 साल की बच्ची समेत चार महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कासगंज में पुल निर्माण के लिए खोदी गई खाई से मिट्टी निकालते समय यह हादसा हुआ। महिलाएं देवउठनी एकादशी पर घर की पुताई के लिए मिट्टी लेने गई थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कासगंज के मोहनपुरा में मिट्टी का ढेर गिरने से हुए हादसे में जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। घटना मोहनपुरा में रामपुर और कटौर गांवों के बीच सुबह करीब 7 बजे हुई। रामपुर की महिलाएं और बच्चे पुल निर्माण के लिए खोदी गई खाई से मिट्टी लेने गए थे। अपर पुलिस अधीक्षक राकेश भारती ने बताया, ÷चार लोगों की मौत हो गई है, जिनमें तीन महिलाएं और 10 साल की एक बच्ची शामिल है।%% उन्होंने बताया कि नौ लोग अपने घर में देवउठनी एकादशी पर किसी समारोह के लिए मिट्टी खोदने गए थे और 10 फुट गहरी खाई में गिर गए। मिट्टी उनके ऊपर गिर गई। यह खाई इलाके में एक पुल निर्माण के लिए खोदी गई थी। उन्होंने कहा, ÷पांच लोगों का इलाज चल रहा है और बचाव कार्य अब पूरा हो गया है कासगंज के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर राजीव अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि ये महिलाएं अपने घर पर किसी समारोह के लिए मिट्टी एकत्र करने गई थीं।

कालिया, करिअन्ना और कुल्ला, नेताओं के बीच दोस्ती या दुश्मनी

नई दिल्ली। कर्नाटक में आजकल सियासत चरम पर है। दो दिग्गज नेताओं के बीच जुबानी जंग ऐसी हो गई है कि मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने एचडी कुमारस्वामी को पहले कालिया कह दिया और फिर माफी भी मांग ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने खान की कुमारस्वामी को कालिया कहकर संबोधित करने वाली टिप्पणी को 'नस्ली' बताकर इसकी निंदा की थी। अपने दिए बयान को लेकर कांग्रेस नेता खान ने बार-बार यह कहा कि उन्होंने पहले भी स्नेहवश कुमारस्वामी को इस तरह से संबोधित किया है जब उनके बीच घनिष्ठता थी और यह पहली बार नहीं है। जब अहमद खान आवास और वक्फ मंत्री थे और पहले जनता दद (एस) में थे और उन्हें कुमारस्वामी का करीबी सहयोगी माना जाता था। खान ने कहा, ''अगर मैंने उन्हें पहली बार ऐसे शब्द से पुकारा होता तो मैंने माफी मांग ली होती, स्नेहवश वह मुझे 'कुल्ला' (बौना) कहा करते थे, मैं उन्हें करिअन्ना (काला भाई) कहकर बुलाता था। इसके बावजूद उन्हें या किसी और को मेरे कालिया कहने के बयान से ठेस पहुंची है, तो मैं माफी मांगता हूं। मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने कहा, ''मैं आज से नहीं, बल्कि शुरू से ही स्नेहवश उन्हें इसी तरह बुलाता था। वह मुझे 'कुलन्ना कहते थे और मैं उन्हें 'करिअन्ना' (उनकी त्वचा के रंग के कारण काला) कहता था।

प्रेमी गालिब के प्यार में दीवानी महिला ने करवा दी पति की हत्या

किशनगंज। बिहार के किशनगंज से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बेवफा पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की निर्दयता से हत्या कर दी। इस मामले में पत्नी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है और पत्नी के प्रेमी गालिब की पुलिस तलाश कर रही है। मामला पौआखाली थाना क्षेत्र के बांसबाड़ी कचहरी महादलित टोला निवासी प्रगेश लाल राय हत्याकांड से जुड़ा है। इस मामले में ये सामने आया है कि पत्नी बतासी देवी ने अपने प्रेमी के साथ षड्यंत्र रचकर अपने पति की हत्या की है। दरअसल पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के माथाभंगा इलाके की रहने वाली बतासी देवी कभी ईंट भट्टे में मजदूरी के सिलसिले में पौआखाली थाना क्षेत्र के हमला आमबाड़ी इलाके में आई थी। यहीं प्रगेश लाल राय जो ईंटभट्ठे में जेसीबी और ट्रैक्टर चलाने का काम करता था, उसके साथ बतासी की नजदीकियां बढ़ीं। कुछ ही दिनों बाद ये नजदीकियां प्यार में तब्दील हो गईं और दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया। इस बीच बतासी देवी ने 2 पुत्री और एक पुत्र को जन्म दिया। लेकिन कुछ वर्षों के बीतने के बाद ही प्रगेश की पत्नी की नीयत डोल गई और उसका मेलजोल हमला गांव निवासी गालिब से हो गया।

दिनारी के लोग सोनभद्र की सभ्यता से अपने को अलग कर रहे महसूस!

प्रतिवर्ष बाढ़ में एक व्यक्ति की होती है मौत, प्रशासन बेखबर, नेताओं को पता ही नहीं

पुष्पाजली टुडे

सोनभद्र,जनपद का एक ऐसा गांव जो 21वीं शताब्दी का एक भाग समाप्त होने के पश्चात भी अपने को इस दुनिया से अलग मान रहा है! आदिवासियों का यह संपूर्ण गांव इतना बेबस और लाचार है कि अपने को इंसान कहने पर भी शर्म महसूस कर रहा है! इस गांव में जाने के लिए कोई भी मार्ग व्यवस्थित नहीं है और घाघर नदी पर बना रपटा प्रतिवर्ष बरसात में किसी न किसी की जान लेकर ही दम लेता है! बच्चे स्कूल जाने से वंचित मरीज अस्पताल जाने से दूर ग्राम प्रधान से लेकर मुख्यमंत्री तक इसकी भनक नहीं! ग्रामीणों का कहना है कि सायद आदिवासी होने का दंड हम ग्राम वासियों को मिल रहा है! जनपद के अति नक्सल प्रभावित नगवॉ विकासखंड के ग्राम पंचायत केवटम का एक राजस्व गांव दिनारी है इस गांव में अधिकांश आबादी आदिवासी जाति के अगरिया की है इसके अलावा गांव में कुछ अन्य आदिवासी जातियां भी निवास करती हैं! सोनभद्र जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थिति यह गांव दक्षिण तरफ घाघर नदी और उत्तर तरफ पहाड़ की चट्टानों से घिरा हुआ है इस गांव में जाने के लिए कागजों पर तो ग्राम पंचायत रामपुर के पिणराडोहर टोला से एक संपर्क मार्ग बनाया गया है और दूसरा संपर्क मार्ग रामपुर गांव से भी दिनारी के लिए बनाया गया है! लेकिन जब बरसात का मौसम शुरू होता है तो घाघर नदी में सोमा से लेकर रामपुर तक के छोटे-छोटे नालों, झरनों व नदियों का पानी आकर मिलता है तो घाघर नदी अपने उफान पर हो जाती है, ऐसे में दिनारी गांव के संपूर्ण ग्रामीण जिला मुख्यालय से पूरी तरह कट जाते हैं! पिछले 4 वर्षों के दौरान घाघर नदी पर बने रपटे पर पानी की चपेट में आकर भदईअणार के महादेव की मौत हो गई! इस वर्ष चोपन का एक लड़का जो अपने रिश्तेदारी में दिनारी

आया था वह भी रपटे पर से बह कर घघर नदी में विलीन हो गया, दिनारी के राजू पिछले वर्ष बह गए, हरिदास अगरिया की पत्नी इस साल इसी घाघर नदी में विलीन हो गई! ग्रामीणों का कहना है कि प्रतिवर्ष कम से कम दो लोग घाघर नदी का शिकार बन जाते हैं और कुछ लोगों को ग्रामीण बचा लेते हैं! बरसात समाप्त होने के बाद भी जो संपर्क मार्ग मौके पर मौजूद है उसे संपर्क मार्ग नहीं कहा जा सकता, किसी के बीमार होने पर उसके परिजन आसानी से अस्पताल नहीं पहुंचा सकते इसी तरह गांव के वह बच्चे जो गांव से बाहर जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं उनकी भी लगभग 4 महीने की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो जाती है! इस गांव के ग्रामीणों -विजय कुमार, सत्यनारायण, सुरेंद्र, शिवनाथ, मोहन, तेजबली, रामकेवल, मुन्ना, विश्वनाथ,रामखेलावन, छोटूआदि का कहना है,कि कहने को तो हम सबसे आधुनिक 21 सी सदी के सभ्यता में जी रहे हैं लेकिन दिनारी गांव के लोग पूरी तरह आदिम सभ्यता में है इसे इंकार नहीं किया जा सकता! ग्रामीणों का कहना है कि यदि घाघरा नदी पर रपटे के स्थान पर एक ऊंचे पुल का निर्माण करा दिया जाए तो यह गांव जिला मुख्यालय के साथ ही देश के अन्य भागों से जुड़ जाएगा! ग्रामीणों ने कहा कि हमारी ग्राम पंचायत केवटम है और आज तक गांव के तमाम युवा वर्ग के लोग भी अपने प्रतिनिधि को नहीं पहचानते, वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने को है लेकिन अभी तक गांव में कभी भी चुनाव जीतने के बाद प्रधान का आगमन नहीं हुआ! इसी तरह इस गांव में ना तो वर्तमान में कभी क्षेत्र पंचायत सदस्य, ब्लॉक प्रमुख और विधायक व सांसद ही दिखाई दिए जब स्थानीय जनप्रतिनिधियों का यह आलम है तो फिर स्पष्ट जाहिर है कि इस गांव के बारे में ना तो यहां के मुख्यमंत्री जानते होंगे ना प्रधानमंत्री!

सड़क सुरक्षा जागरूकता के संबंध में जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं होगी आयोजित

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर- नगर के रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय में दिनांक 14 नवंबर 2024 को प्रातः 10ः 30 बजे से सड़क सुरक्षा से संबंधित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं को आयोजित किया जा रहा है इस संबंध में प्राचार्य प्रो. केशव देव एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रीतेश कुमार खरे ने बताया की शासन के दिशा निर्देश के अनुक्रम में छात्र-छात्राओं में सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूकता के संबंध में भाषण, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है भाषण प्रतियोगिता का विषय ÷आधुनिक भारत में सड़क सुरक्षा-एक चुनौती होगा। इसमें जनपद ललितपुर के विभिन्न महाविद्यालय से चयनित प्रतिभागी छात्र-छात्राएं भाग लेंगे. प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को परिवहन विभाग के सौजन्य से धनराशि एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललितपुर, ट्रैफिक इंस्पेक्टर ललितपुर नगर, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक आदि उपस्थित रहेंगे।

युवा नामदेव समाज ने मदर टेरेसा अनाथ आश्रम में फल वितरण कर मनाया अपने आराध्य देव संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज का जन्मोत्सव

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

नामदेव समाज के आराध्य संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज का जन्मोत्सव युवा नामदेव समाज के जिलाध्यक्ष के के नामदेव के नेतृत्व में पनारी स्थित मदर टेरेसा अनाथ आश्रम में बच्चों के बीच रहकर और उन्हें फल वितरण करके बड़ी ही सादगी के साथ मनाया, सबसे पहले नामदेव जी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित किए, उसके बाद युवा नामदेव समाज के जिलाध्यक्ष के के नामदेव ने युवा साथियों से संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज के बताए मार्ग पर चलने के लिए और उनसे प्रेरणा लेने को कहा, इस अवसर पर प्रमुख रूप से के के नामदेव, सोनू नामदेव डुलावन, राहुल नामदेव सौंरई, नीलू नामदेव मड़ावरा, अरविंद नामदेव तालबेहट, रोहित नामदेव ललितपुर, पवन नामदेव छिल्ला, अरुण नामदेव गदयाना, रामकुमार नामदेव जरावली, गौरव नामदेव कल्यानपुरा, छोटू नामदेव कारीटोरन, चंचल नामदेव बार, विशाल नामदेव बानपुर, ब्रजेश नामदेव बुडवार, राजेश नामदेव पाचौनी, भगवत नामदेव सैदपुर, गौरव नामदेव ललितपुर, मोनू नामदेव ललितपुर, अंशित नामदेव जरावली, जसवंत नामदेव दैलवारा, रोहित नामदेव राजघाट, कुलदीप नामदेव डुलावन, आशिक नामदेव जरावली आदि समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री सोनू नामदेव एवं जिलाउपाध्यक्ष राहुल नामदेव सौंरई ने संयुक्त रूप से किया अंत में कार्यक्रम में आये हुए सभी लोगों का युवा नामदेव समाज के जिलाध्यक्ष के के नामदेव ने आभार व्यक्त किया।

ग्राम जामपुरा में श्री रामलीला का हुआ भव्य समापन, जय श्री राम से गूंजा पूरा गांव, हजारों भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

रामलीला में कलाकारों ने किया शानदार प्रदर्शन

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भिंड के ग्राम जामपुरा में रामलीला का समापन हुआ। राम लीला कला मंच से अहिरावण वध,रावण वध,भरत मिलन और भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का सुंदर दृश्य प्रस्तुत किए गये। 14 वर्ष का वनवास पूर्ण कर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के वापिस अयोध्या पहुंचने पर खुशियां मनाई गई,जिसे देखने के लिए दूर दराज से हजारों की संख्या में ग्रामीणजन 11 दिवस तक पूरी रामलीला के मंचन का आनंद लेने पहुंचते रहे। वर्ष 1962 में प्रारंभ हुई रामलीला को इस साल 62 वर्ष पूर्ण हो गए है। जिस समय रामलीला की शुरुआत हुई थी,उस दौर में न तो ठीक से बिजली की व्यवस्था थी और न ही आज की तरह आधुनिक म्यूजिक

सिस्टम थे,बिजली नहीं होने की स्थिति मे गैस व लालटेन के उजाले से रामलीला का मंचन किया जाता था। मंडली की ओर से इसकी व्यवस्था तो की ही जाती थी,दर्शक भी अपने-अपने घर से लालटेन व टार्च लेकर आते थे। स्टेज शो के लिए जलती हुई गैस को टीन के अंदर रखा जाता था। उसका एक हिस्सा कटा होता था,जिसमें अलग-अलग कलर की पन्नी लगा देते थे,ताकि कलरफुल लाइटों का फोकस स्टेज पर पहुंच सके। पर्दे तो पहले भी मिल जाते थे। हां,आज जैसे सस्ते व चमक-दमक वाले नहीं होते थे। एक पर्दे को कई साल तक चलाना पड़ता था। उसी दरमियान समीपस्थ ग्राम जामपुरा में भी रामलीला हुआ करती थी ऐसे में कलाकार वेषभूषा का आदान-प्रदान करके अपने पात्र निभाया करते थे। साथ ही शहर और गांव में बनने वाली झाकियों से भी पोशाक मांगकर रामलीला का मंचन होता था। रामलीला में अभिनय करने वाले सभी पात्रों के अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहाया गया। इस बर्ष के समापन के उपरांत ग्राम पंचायत जामपुरा सरपंच उदयराज सिंह भदौरिया ने आदर्श कला मंडल ग्राम जामपुरा,जिला भिण्ड के सभी पात्रों को भगवान श्री राम की तस्वीर प्रदान कर सम्मानित किया।

सीरवी ने प्रजापत समाज को दी आमंत्रण पत्रिका

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। प्रजापत समाज ट्रस्ट पुनुगुमारनहल्ली रामोली मंदिर में नारायणलाल सीरवी ने पी. एम. हेल्थ वेलनेस सेंटर के उद्घाटन समारोह में पुनाराम लीतरीया, पुनाराम जीनासणी, हीरालाल खैड़ा, श्रवणलाल ब्लाड़ा, शिवलाल ब्यावर,मांगीलाल कानावास, श्रवणलाल निम्भैड़ा, राजुराम गोड़ावड, हरीराम देवली, बक्साराम गोड़ावड, भिकाराम जिनासणी, दिनेश लाम्बिया को आमंत्रित पत्रिका दी। सीरवी ने बताया कि अर्कावथी लेआउट, सिल्वर डोमिसाइल अपार्टमेंट के पास प्रेम निवास स्थल पर पी.एम. हैल्थ वेलनेस सेंटर का उद्घाटन समारोह दिनांक 14 नवम्बर को सुबह 7.30 बजे स्वामी पुखराज महाराज के सानिध्य में होगा। सीरवी ने बताया की उद्घाटन समारोह में सर्व राजस्थानी छत्तीस कोम को आमंत्रित किया जा रहा है। इस पर प्रजापत समाज के अनेक गणमान्य आदि मौजूद रहे।

जनसुनवाई में सुनी 58 आवेदकों की समस्याएं

अधिकारियों को दिये निराकरण करने के निर्देश

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 12 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें एसडीएम श्री बीएस कलेश एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 58 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। जनसुनवाई में खरगोन विकासखण्ड के ग्राम पिपरी की गौरीबाई शिकायत लेकर आयी थी कि उसकी आयु 65 वर्ष से अधिक है और उसके पति की मृत्यु हो चुकी है। उसके राशन कार्ड को निरस्त कर दिया गया है, जिसके कारण उसे राशन नहीं मिल रहा है। अतः अन्त्योदय राशन कार्ड दिलाया जाए। खरगोन तहसील के ग्राम लोनारा के लीला बाई राजौरे शिकायत लेकर आयी थी कि उसके पुत्र की मृत्यु हो जाने के बाद भी उसे संबल योजना का लाभ अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। नगरीय क्षेत्र खरगोन के राजेश्वर सरकानुनगो अपनी जमीन का सीमांकन कराने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि भावसार मोहल्ले में उनकी जमीन स्थित है। वे बहुत दिनों से जमीन के सीमांकन का आवेदन दे रहे हैं, लेकिन अब तक सीमांकन नहीं किया गया है। नहर कॉलोनी दामखेड़ा खरगोन के हौसीलाल माली शिकायत लेकर आये थे कि उन्होंने अपनी पत्नी समोती बाई की आंखों का ऑपरेशन 12 जुलाई 2023 को सुभीषी हॉस्पिटल खरगोन में कराया था। चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन सही नहीं किये जाने से पत्नी की आंखों में चुबन हो रही है। उसके द्वारा अन्य स्थानों पर भी पत्नी की आंखों की जांच कराई गई है, लेकिन कोई लाभ नहीं मिला है।

साइबर सुरक्षा अभियान में डॉ वरूण कपूर ने कहा - दिखने वाले खतरे से अदृश्य खतरा खतरा ज्यादा घातक है

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मण्डलेश्ड़वर। डॉ वरूण कपूर आईपीएस स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस रुस्तम जी आर्म्ड पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज इंदौर ने सांदीपनी एकेडमी मण्ड़डलेश्ड़वर में खरगोन, धार, बड़वानी, खण्ड़डवा आदि जिले के लगभग 30 से अधिक सीबीएसई विद्यालयों के 1300छात्र व 124 शिक्षकों को ब्लैक रिबन इनीशिएटिव अभियान के तहत साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा डॉ वरूण कपूर को गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। डॉ कपूर का स्ड़वागत विद्यालय के चेयरमेन राजेश्ड़वर पाटीदार, सारिका पाटीदार, डायरेक्ड़टर अमित पाटीदार, जयश्री पाटीदार, प्राचार्य कमलेश. सी. जोशी, मैनेजिंग डॉयरेक्ड़टर गोपाल पाटीदार ने गुल-दस्ता देकर किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुये डॉ. कपूर द्वारा बताया कि दिखने वाले खतरे से अज्ञात या छुपा हुआ खतरा ज्यादा घातक हैा फिशिंग, बुलिंग, स्टॉकिंग, गेमिंग इत्यादि सायबर अपराध की घटनायें बड़ रही हैं । इसे आपको समझना होगा व सतर्क एवं जागरूक रहना होगा तभी आप सायबर अपराध का शिकार होने से बच सकते हैं । सायबर सुरक्षा आज की सबसे बड़ी चुनौती है । सायबर अपराधी दिन-प्रतिदिन नये-नये तरीकों से सायबर अपराधों

का अंजाम दे रहे हैं । अपने डाटा को सुरक्षित रखने के लिये दिशा-निर्देशों का पालन करें । किसी भी ऑनलाईन/सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी निजी जानकारी जन्मतिथि, मोबाईल नम्बर, पता इत्यादि साझा न करें । सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करें । अनजान ई-मेल/पोस्ट का जवाब न देवें । अपने खाते का पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें । अपनी प्राइवेसी सेटिंग्स को मजबूत रखें। अपरिचित व्यक्ति जिसे आप नहीं जानते उन्हें ब्लॉक करें । अलग-अलग अकाउण्ट के लिये अलग-अलग एवं मजबूत पासवर्ड बनायें । झांसे या प्रलोभन में न आवें । बैंक में पंजीकृत मोबाईल नम्बर पर भेजी गई लिंक/ओटीपी को किसी दूसरे नम्बर पर फारवर्ड करने के लिये कहने पर फारवर्ड न करें । अनजान लिंक को ओपन न करें । अनजान फोन/विडियो काल व अनजान की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें । आप किसी सोशल मीडिया पोस्ट, मेल, चैटिंग से असहज हो तो तुरंत अपने माता-पिता को अथवा विश्वसनीय व्यक्ति को बतावें और पुलिस में शिकायत करें । युवा ऑन-लाईन गेमिंग में ज्यादा समय व्यतीत करते हैं जिसके कारण गेमिंग डिसआर्डर का शिकार हो रहे हैं । इसका फायदा उठाकर अदृश्य अपराधी ऑनलाइन गेम में चेटिंग कर युवाओं को शिकार बनाते है । गेमिंग डिसआर्डर के चलते बच्चे ऑनलाईन गेमिंग में पैसा लगा देते हैं, कर्ज ले लेते हैं और इन सबसे परेशान होकर कई लोग/बच्चे आत्महत्या तक कर लेते हैं । माता-पिता भी सोशल मीडिया के बारे में ज्यादा जागरूक नहीं होते है । विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान डॉ. कपूर द्वारा सहजता से किया गया । विद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स एवं म्ड़यूजिक ग्रुप द्वारा शानदार गीत की प्रस्ड़तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में डॉ कपूर को चेयरमेन राजेश्ड़वर पाटीदार एवं मैनेजिंग डॉयरेक्ड़टर गोपाल पाटीदार ने सर्टिफिकेट एवं मोमेन्ड़टो भेट किया। सेमिनार के सफल संचालन में सांदीपनी अकैडमी के प्राचार्य कमलेश जोशी एवं निरीक्षक श्रीमती पूनम राठौर व उनकी टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के उप-प्राचार्य संजय वर्मा द्वारा किया गया।

संपादकीय

ज्ञान मनुष्यता का आधार

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो, उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंत:करण को उज्जवल करती है। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंत:करण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी है या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते है,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते है। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर–उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहै। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर है, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती है और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती है। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। श्पंचतंत्रश्तथा शहितोपदेशश इसके बहुत बड़े उदाहरण है। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई है। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्‌गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते है। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते है। वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए है। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते है। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे–धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही है। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे है। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारें द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयो से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते है। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे है, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे है और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है। इस प्रकार हम यह कह सकते है कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

फैशन बाजार की बयार में खुलता मिडल ईस्ट

पुष्परंजन

जुमे के दिन स्विम सूट फैशन शो में शामिल होने वाले सीरियाई इन्फ्लुएंसर शौक मोहम्मद ने कहा कि सऊदी अरब के दुनिया के लिए खुलने और अपने फैशन और पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ाने के प्रयास को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नही है।

रियाद से सऊदी प्रेस एजेंसी ने बीते दिनो खबर दी कि सऊदी फैशन आयोग ने एक नई शैक्षिक पहल शुरू करने के लिए फ्रांस के 'इंस्टीटयूट फरैकैस डे ला मोद' और 'मिस्क फाउंडेशन' के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी में अत्याधुनिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़कर अभिनव शैक्षिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाना है, जो डिजाइनरों, ब्रांड मालिकों और निवेशकों के लिए फैशन की दुनिया में बड़ा मंच तैयार करते है। यानी, फैशन की दुनिया में सऊदी अरब अब प्रतिस्पर्धी है। यह खबर उनके लिए तकलीफदेह है, जो परिधान को धर्म के नजरिये से सुनिश्चित करते है। सऊदी फैशन आयोग का एक वार्षिक कार्यक्रम है, '100 ब्रांड्स', जिसका मिशन इस्लामी अधिराज्य के फैशन उद्योग को बढ़ाना है। रियाद स्थित सऊदी फैशन आयोग की स्थापना 2020 में हुई थी। यह सांस्कृतिक मंत्रालय का हिस्सा है। गत मई में सऊदी अरब ने पहला फैशन शो आयोजित किया, जिसमें मॉडल स्विम सूट के साथ नमूदार हुई। फैशन शो मे मोरक्को की डिजाइनर यास्मिना कंजल के वन–पीस स्विमसूट डिजाइन दिखाए गए। अधिकांश मॉडलों के कंधे खुले हुए थे। डिजाइनर यास्मिना कंजल ने बताया, 'यह सच है कि सऊदी अरब बहुत रूढिवादी है, लेकिन हमने इस्लामी दुनिया का प्रतिनिधित्व करने वाले इस देश में सुरुचिपूर्ण स्विमसूट दिखाने की कोशिश की है। जब हम यहां आए, तो हमने समझा कि सऊदी अरब में स्विमसूट फैशन शो एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि ऐसा आयोजन पहली बार हो रहा है। कंजल ने कहा, इसमें शामिल होना सम्मान की बात है।' जुमे के दिन स्विम सूट फैशन शो में शामिल होने वाले सीरियाई इन्फ्लुएंसर शौक मोहम्मद ने कहा कि सऊदी अरब के दुनिया के लिए खुलने और अपने फैशन और पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ाने के प्रयास को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है। स्विमसूट डिजाइन शो में आये एक फ्रांसीसी इन्फ्लुएंसर राफेल सिमाकोर्बे ने कहा कि हमारी नजर में इसमें कुछ भी जोखिम भरा नहीं था, लेकिन सऊदी के संदर्भ में यह एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने कहा, 'ऐसा करना उनके लिए बहुत साहस का काम है, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।' आयोजकों ने बताया कि यह 'रिसॉर्ट रेड सी ग्लोबल' का हिस्सा है, जो सऊदी अरब के विजन 2030 सामाजिक और आर्थिक सुधार कार्यक्रम के गीगा–प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसकी देखरेख क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान करते है। प्रिंस सलमान ने सऊदी अरब की कठोर और रूढ़िवादी छवि को नरम करने के लिए सामाजिक सुधारों की एक शृंखला शुरू की है। इन सुधारों में सिनेमाघरो को फिर से शुरू करना, और मिश्रित–लिंग यानी महिला–पुरुष के साझे संगीत समारोहों का आयोजन करना शामिल है। वहाबिज्म के बरक्स इन प्रयासों को रूढ़िवादी सहजता से पचा नहीं पा रहे है। उन परिवर्तनो मे लाठी भांजने वाली धार्मिक पुलिस को दरकिनार करना शामिल है। आज की तारीख में सऊदी फैशन इंडस्ट्री में ढाई लाख से अधिक लोग कार्यरत है। जिस सऊदी अरब को हम पेट्रो डॉलर वाला देश मानते रहे, वहां की पटकथा नई पीढ़ी अब बदल रही है। स्टेटिस्टा के अनुसार, सऊदी अरब मे फैशन बाजार 2024 में 4.37 बिलियन डॉलर का हो जायेगा, जिसमें 2024 से 2029 तक 11.62 प्रतिशत की चक्रवृद्धि की संभावना है। इससे अगले पांच वर्षों में बाजार का आकार 7.57 बिलियन डॉलर का हो जाएगा, जो गैर–तेल उद्योगो को बढ़ावा देने की मंशा को रेखांकित करता है। सऊदी सरकार ने फैशन को सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में मान्यता दी है। साल 2021 में किंगडम ने आयातित फैशन वस्तुओं पर 7.3 बिलियन डॉलर खर्च किए, जो घरेलू विकास की संभावना को दर्शाता है। 1979 में मक्का में मस्जिद अल–हरम में एक फतवे के जरिये किंगडम की सभी महिलाओं और आगंतुकों के लिए अनिवार्य अबाया या कवर्ड लिबास लागू किया गया। वर्ष 1980 के दशक के अंत तक, महिलाओं को स्विमिंग पूल का उपयोग करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। 1980 और 90 के कालखंड में, सऊदी अरब की धार्मिक पुलिस अधिक रूढ़िवादी हो चुकी थी। नमाज में अनिवार्य रूप से उपस्थिति, लिंग भेद और सऊदी अरब ड्रेस कोड, विशेष रूप से महिलाओं के लिए सख्ती से लागू किया। साल 2015 में, जब किंग सलमान सिंहासन पर बैठे, तो उन्होंने फैसला किया कि काला अबाया अब अनिवार्य नहीं है। औरतें किसी भी रंग और पैटर्न का अबाया पहन सकती है। साल 2017 और 2019 के बीच, रूढ़िवादी परम्पराओं के पोषक इस देश में महत्वपूर्ण सामाजिक सुधार लागू किए गए। इससे उन महिलाओं को लाभ हुआ, जो पहले गाड़ी चलाने, पुरुषों की मौजूदगी में खेल और मनोरंजन कार्यक्रमो में भाग लेने, या पुरुष की अनुमति के बिना पासपोर्ट प्राप्त करने में असमर्थ थीं। साल 2018 में, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने स्पष्ट कहा कि इस्लाम का पालन करने के लिए महिलाओं को सार्वजनिक रूप से अबाया या हिजाब पहनने की जरूरत नहीं है। इससे कई महिलाओं को यह चुनने की अनुमति मिल गई, कि वो कौन सा बाहरी वस्त्र पहनेंगी। सद्गुणों को बढ़ावा देने और बुराई की रोकथाम के लिए सऊदी आयोग (सीपीवीपीवी), की स्थापना 1940 में की गई थी। यह संगठन, आज भी काम कर रहा है, लेकिन इसके दांत एक–एक कर तोड़े जा रहे है। पहले इसका मुख्य काम सऊदी अरब में महिलाओं के लिए ड्रेस कोड लागू करके, इबादत के समय को तय करना और घर से बाहर औरत–मर्द की आवाजाही को अलहदा करके इस्लामी मानदंडो को लागू कराना होता था। ये नियम, आमतौर पर सऊदी अरब की महिलाओं पर कहीं अधिक कठोरता से आयद किए गए थे। साल 1960 और 1980 के बीच, सऊदी अरब में धीरे–धीरे साहा (जागृति) आंदोलन का उदय हुआ, जिसे इस्लामिक जागृति आंदोलन भी कहा जाता है। इसने सुन्नी इस्लाम के एक कठोर, शुद्धतावादी रूप को आगे बढ़ाया जिसे वहाबिज्म कहा जाता है। साल 1979 तक मक्का में ग्रैंड मस्जिद पर कब्जा करने के बाद, सीपीवीपीवी की शक्तियां और अराजक हो गई थीं। तब कुछ पुस्तकों को जलाया गया, संगीत वाद्ययंत्रों को नष्ट किया गया, विरोध करनेवालों की मार–पिटाई हुई। दहशत फैलाने के वास्ते सर्वाधिक महिलाएं दण्डित की गयीं। मार्च 2002 में मक्का के एक गर्ल्स स्कूल में आग लगने से 15 स्कूली छात्राओं की मौत हो गई थी। कथित तौर पर यह मुतव्वीन द्वारा उचित पोशाक न पहनने के कारण छात्राओं को इमारत से बाहर जाने से रोकने के कारण हुआ था। इस कांड ने धार्मिक पुलिस पर कई सवाल खड़े किये। इसके बाद के दशक में, सीपीवीपीवी की शक्तियां धीरे–धीरे कम होती गईं, 2016 आते–आते क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने आधुनिक सऊदी समाज में धार्मिक पुलिस की भूमिका को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया। सऊदी अरब मे सीपीवीपीवी अभी भी मौजूद है, लेकिन उसके पास अब पुलिस जैसी शक्तियां नहीं है, वह दंड देने में भी असमर्थ है, और केवल कानून प्रवर्तन को उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकता है। उल्लंघन के लिए दंड कम कर दिए गए है, कोड़े मारने जैसी सजाओं की जगह जुर्माने ने ले ली है। फिर भी, आप ये न समझें कि सऊदी समाज में एकदम खुलापन आ गया। अब भी सऊदी फैशन शो के ड्रेस कोड संस्कृति मंत्रालय ने निर्धारित कर रखे है। जैसे, अभद्र भाषा वाले कपड़े या सामान्य शिष्टाचार का उल्लंघन करने वाली तस्वीरों, आकृतियों, संकेत वाले परिधान न पहने जाएं, पारदर्शी कपड़े नहीं। केवल घुटने और कोहनी के नीचे शालीन कपड़े, सार्वजनिक रूप से नाइटवियर या टू पीस नहीं। तंग, त्वचा से चिपके हुए या पारदर्शी कपड़े नहीं। वहीं कोई भी धार्मिक प्रतीकात्मक आभूषण नहीं, जो इस्लामी न हो। फैशन मॉडलिंग की दुनिया में दर्जनों अरब और मुस्लिम महिलाएं दरपेश है, जो अपनी विरासत को गर्व के साथ पहनती है। वो इतिहास बनाती है, और वर्जनाओं को तोड़ती है। पेरिस और मिलान के प्रतिष्ठित फैशन शोज में लग्जरी ब्रांडो को प्रोमोट करती है। ये मुस्लिम मॉडल रैम्प पर बोल्ड है, और बोलने में बेबाक। अमीरा अल जुहैर, औआतिफ सादी, अस्मा अल्तुर्क, अजा स्लीमीन, बेला हदीद, फरीदा खेलफा, गिगी हदीद, हबीबा एल–कोब्रोसी, हलीमा अदन, हाना बेन अब्देसलेम, हिंद साहली, इमान मोहम्मद अब्दुलमाजिद, इमान हम्माम, नोरा अट्टल, शाहद सलमान, शनीना शेख, सोनिया अम्मार, तलीदाह तामर, उगबाद आब्दी आज की तारीख में वैसे इस्लाम की तस्वीर रैंप के जरिये पेश कर रही हैं, जो खुले में सांस ले रहा है। अमीरा अल जुहैर एक सऊदी अरब की मॉडल है जो अपनी खूबसूरती और बुद्धिमत्ता के लिए जानी जाती है। उन्होंने पेरिस फैशन वीक और मिलान फैशन वीक के रनवे पर वॉक किया है, और बरबेरी, प्रादा से लेकर डोल्से एंड गब्बाना और ब्रुनेलो कुचिनेली जैसे विश्व प्रसिद्ध ब्रांड के साथ काम किया है। मोरक्को की मॉडल औआतिफ सादी ने पेरिस फैशन वीक और न्यूयॉर्क फैशन वीक के रनवे पर वॉक किया है और गुच्ची, एडिडास, गैलरीज लाफायेट, बर्शका और एटनिया बार्सिलोना के अभियानो में शामिल रही है। अस्मा अल्तुर्क एक सऊदी मॉडल है जो एटलियर हेकायत, नफ्सिका स्कोर्टी और मोजामाजका जैसे क्षेत्रीय डिजाइनरों की पसंदीदा हैं। अजा स्लीमीन एक ट्यूनीशियाई मॉडल है, जिन्हें एजेडीन अलाया ने ढूंढा और प्रशिक्षित किया। स्लीमीन मानवतावादी भी हैं, और इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर ह्यूमन राइट्स और 'नो मोर प्लास्टिक' कंपनी के लिए ब्रांड अम्बेसडर के रूप मे काम करती है।

फैशन की दुनिया में फिलिस्तीनी–डच मॉडल बेला हदीद को शायद ही किसी परिचय की जरूरत है, लेकिन इतना कहना ही काफी है कि बेला हदीद दुनिया की सबसे बड़ी सुपरमॉडल में से एक है। हदीद फिलिस्तीनी अधिकारो की मुखर समर्थक भी है। ऐसे ही अल्जीरियाई मॉडल और डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता फरीदा खेलफा फैशन उद्योग में एक किंवदंती है। वह अल्जीरिया की पहली मॉडल के रूप में प्रसिद्ध है। उनका कैरियर 1980 के दशक में शुरू हुआ, जब उन्होने प्रसिद्ध फोटोग्राफर जीन–पॉल गौडे का ध्यान आकर्षित किया। फिलिस्तीनी–डच मॉडल गिगी हदीद ने विक्टोरिया सीक्रेट फैशन शो और दुनिया भर के प्रमुख फैशन वीक के रनवे की शोभा बढ़ाई है। मिस्र की मॉडल हबीबा एल–कोब्रोसी ने मिस्र में माइकल सिन्को के शानदार फैशन शो की शुरुआत करते हुए एक शानदार 'क्लियोपेट्रा' ड्रेस पहनी थी। रनवे और कैपेन मे मॉडलिंग करने के अलावा, वह टाइक्वांडो ट्रेंड है, और 2023 में मिस्र की फिल्म, 'मिस्टर एक्स' मे अभिनय कर चुकी है। सोमाली–अमेरिकी मॉडल हलीमा अदन ने इतिहास रच दिया जब वह मिस मिनेसोटा का खिताब जीतने वाली पहली हजीबी बनीं। ट्यूनीशियाई मॉडल हाना बेन अब्देसलेम लैकोमे के अंतर्राष्ट्रीय अभियान में दिखाई देने वाली पहली अरब महिला थीं, और बाद में ब्यूटी ब्रांड की पहली मुस्लिम प्रवक्ता बनीं। मोरक्कन मॉडल हिंद साहली जितनी खूबसूरत है, उतनी ही फैशन उद्योग मे मुसलमानो के बारे मे रूढ़िवादिता को बदलने के लिए भी जुनूनी है। उन्होंने लोवे, केंजो, मार्क जैकब्स और अन्य प्रमुख ब्रांड के लिए कैट वॉक किया है।

अस्सी पर भारी पड़ती भोजन की थाली

प्रेम शर्मा

देश मे सरकार किसी भी पार्टी की रही उसने हमेशा ही बीस और अस्सी के हिसाब से आकलन करते हुए आकड़े पेश किये इसका परिणाम यह हुआ कि अल्प आय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को हमेशा ही कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। वर्तमान समय मे देश की अस्सी प्रतिशत जनता को भोजन की थाली महंगी पड़ रही है। इसके पीछे वही कारण सामने आ रहे है जिनकी हमेशा चर्चा होती रही। मंहगाई को लेकर विपक्ष तो हमेशा महौल बनाता रहा लेकिन सत्तारूढ़ दल या उनके नेता वही बीस प्रतिशत धनी और सरकारी सेवारत संख्या के आधार पर मंहगाई को नकारते रहे। उनके सामने देश की लगभग आधी आबादी जिसको गरीबी के आधार पर गेहूँ,चावल और मोटा अनाज नि:शुल्क देने वाली सरकारो ने उसके अलावा उनकी अन्य जरूरतों की तरफ ध्यान ही नही दिया। भारत मे मुद्रास्फीति की दर सितंबर मे बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई। जो अगस्त 2024 मे 3.65 प्रतिशत थी। एनएसओ के डेटा के मुताबिक, खाने–पीने की चीजो की महंगाई सितंबर महीने में उछलकर 9.24 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने यानी अगस्त मे 5.66 प्रतिशत और एक साल पहले 6.62 प्रतिशत के थी। सबसे खास बॉत तो यह कि किसी भी सरकार ने खुदारा बाजारो में नियंत्रण के लिए कोई मजबूत तंत्र नही बनाया जिससे खुदारा बाजारो की मनमानी पर रोक लगाई जा सके। जिसका परिणाम यह होता है कि साल की शुरूआत, अन्त या मध्य मे किसी भी समय आम आदमी की भोजन की थाली ही उसे भारी पड़ने लगती है। कुछ आकड़ों के आधार पर हमारे देश मे 65 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा के नीचे अपना जीवनयापन कर रहे है। खासकर गांवो मे 72 प्रतिशत अधिक गरीब लोग रहते है क्योंकि ये लोग थोड़ी सी जमीन पर खेती कर के अपना जीवनयापन करते है और बिना पानी के खेती मानसून पर निर्भर है। देखा जाए तो सरकार के अनुसार 81.35 करोड़ भारतीय मुफ्त अनाज पाते है और इस स्कीम का नाम प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना है। अर्थात सरकार स्वयं 81.35 करोड़ लोगो को गरीब मानती है। अगर सरकार के इस आकड़े को ही सही मान लिया जाए तो आज इस जनसंख्या के लोगो को भोजन की थाली भारी पड़ रही है। अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ो की खबरें सबको अच्छी लगती है, लेकिन अगर इस चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने–पीने के सामान में भी कटौती करनी पड़े, तब यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावो के दायरे मे कौन है! अन्य जरूरी सामान के साथ–साथ खाद्य पदार्थों की चढ़ी हुई कीमतो ने पहले ही आम लोगो की रोजमर्रा की जरूरतो को प्रभावित करना शुरू कर दिया था, लेकिन इस बीच पिछले कई महीनों से सब्जियों के दाम लगातार इस स्तर पर बने हुए है कि लोगो की थाली से सब्जियां भी गायब रहने लगी है। मुश्किल सिर्फ मैं सब्जियो तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और अनाजो की खरीदारी के वक्त भी लोगो को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ जाता है। बुधवार को जारी एक एजंसी की ताजा रपट के मुताबिक शाकाहारी थाली की कीमत में एक वर्ष पहले की समान अवधि की तुलना में बीस फीसद तक की बढ़ोतरी हो गई है। दरअसल, कम आय वर्ग के लोगो के लिए पिछले कई महीनो से खाने–पीने का सामान सहजता से खरीदना मुश्किल ही था। मगर अब स्थिति यह हो गई है कि ऐसे लोग अक्सर दिख जाते है, जो बाजार में सब्जियों की कीमतें पूछते है और बिना खरीदे मायूस मन के साथ आगे बढ़ जाते है। दरअसल, कम आय वर्ग के लोगो के लिए पिछले कई महीनों से खाने–पीने का सामान सहजता से खरीदना मुश्किल ही था। मगर अब स्थिति यह हो गई है कि ऐसे लोग अक्सर दिख जाते है, जो बाजार मे सब्जियो की कीमतें पूछते है और बिना खरीदे मायूस मन के साथ आगे बढ़ जाते है। रपट के मुताबिक, अक्तूबर में प्याज की कीमतें सालाना आधार पर छियालीस फीसद बढ़ीं, जबकि आलू के दाम मे इक्यावन फीसद का इजाफा हुआ। इसी तरह, टमाटर के भाव उनतीस रुपए प्रति किलोग्राम से आगे बढ़ते हुए एक वर्ष पहले की समान अवधि के मुकाबले अस्सी और सौ रुपए प्रति किलोग्राम हो गए। टमाटर सौ रुपए प्रतिकिलो

या इससे ज्यादा भाव पर भी बिका। अन्य कई हरी सब्जियां भी आमतौर पर अस्सी या सौ रुपए प्रति किलो बिक रही है। यही नही जिस प्याज के बढ़े दामो से कई बार सरकार हिल चुकी है वही प्याज एक बार फिर सौ के करीब चल रही है। जबकि भोजन की थाली में सब्जियां एक तरह का संतुलन बनाती है। अब इनके लगातार महंगे बने रहने का असर दालों की कीमतो पर भी पड़ा है। सच यह है कि महंगाई एक दुश्चक्र की तरह लोगों के लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है और एक समय तात्कालिक कारणों से बाजार मे उतार–चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी है। एक समय कई बार लोग कुछ समय तक समझौता करके महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। लेकिन अब महंगाई में निरंतरता की वजह से संतुलित भोजन पहुंच से बाहर हो रहा है। एक ओर, रिजर्व बैंक महंगाई को काबू में रखने के लिए कुछ कदम उठाता रहता है, तो दूसरी ओर सरकार आए दिन लोगों को भरोसा देती रहती है। हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी–रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे है कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या– क्या होनी चाहिए। ज्यादातर लोगो की आय में कमी होने या काम–धंधे में मंदी की स्थिति कायम रहने की वजह से उनकी क्रयशक्ति लगातार सिकुड़ती गई है। कई मामलों मे सामान की खरीदारी मे कटौती की आंच अब थाली तक भी पहुंच चुकी है। यह एक दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम मे इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे है, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है।

कमिश्नर ने योजनाओं का लाभ आमजनों तक पहुंचाने के लिए नवाचार करने एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का लक्ष्य के अनुसार निराकरण करने के दिए निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं का लाभ आमजनता तक पहुंचाने के लिए नवाचार करें। आगामी बैठक में नवाचार के प्रयासों की समीक्षा की जाएगी। क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करके विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रभावी बनाएं। समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के एजेण्डा बिन्दुओं के लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण के लिए निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्य के अनुसार सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। इस सप्ताह चिकित्सा शिक्षा विभाग, पीएचई विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग ने अच्छा निराकरण किया है।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि कई विभागों में न्यायालयीन प्रकरण तथा पेंशन प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर जवाबदावा दायर कराएं। साथ ही प्रकरण के संबंध में शासकीय अधिवक्ता से संपर्क कर विभाग का पक्ष न्यायालय में प्रस्तुत करें। लंबित पेंशन प्रकरणों की कमियाँ दूर करके 15 दिवस में इनका निराकरण कराएं। संभागीय अधिकारी तकनीकी शिक्षा तथा कौशल विकास प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जिलेवार तथा विकासखण्डवार जानकारी

प्रस्तुत करें। मुख्य अभियंता विद्युत मण्डल बिगड़े ट्रांसफार्मर बदलने का अभियान चलाएं। किसानों से न्यूनतम राशि जमा कराकर खराब ट्रांसफार्मर बदलें। बिजली की नियमित आपूर्ति तथा बिलों की वसूली पर ध्यान दें। कमिश्नर ने बैठक से अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर उपायुक्त अनुसूचित जाति तथा जनजातीय कल्याण विभाग, संयुक्त संचालक शिक्षा को नोटिस देने तथा प्रभारी अधिकारी पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में संभाग के सभी जिलों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सभी अधिकारी और कर्मचारी इनमें स्वेच्छा से रक्तदान करके पीड़ितों की सेवा के यज्ञ में अपना योगदान दें। आपके थोड़े से रक्तदान से पीड़ित को जीवनदान मिलेगा। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए भी नियमित रूप से रक्तदान करना लाभदायक होता है। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य रक्तदान शिविर की तिथियों का निर्धारण करके इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। बैठक में कमिश्नर ने खाद और बीज के वितरण, उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण, धान उपार्जन की तैयारियों तथा हैण्डपंपों के सुधार के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त दिव्या त्रिपाठी, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ केएल नामदेव, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, मुख्य अभियंता विद्युत मण्डल आईके त्रिपाठी, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 67 आवेदकों की सुनवाई की

रीवा। प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने 67 आवेदकों की सुनवाई की। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में रामानुज चौरसिया भीटी गुड़ ने बाणसागर नहर का लंबित मुआवजा देने का आवेदन दिया जिसे कलेक्टर ने भू-अर्जन शाखा को प्रेषित कर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने झल्लू प्रसाद चर्मकार लटियार जवा के खसरा में सुधार करने तथा लक्ष्मणपुर निवासी बैजनाथ साकेत के खसरा में नाम दर्ज करने के आवेदनों में तहसीलदार को कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इन्द्रपाल द्विवेदी खड्डा सेमरिया ने प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिलाने, बरौ सेमरिया के अंकुश पटेल ने पीसीसी सड़क निर्माण कराने का आवेदन दिया जिन्हें कलेक्टर ने सीईओ को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। खारा सेमरिया के मुन्नालाल के अवैध निर्माण पर रोक लगाये जाने, मंगलेश्वर सिंह जोन्ही निवासी के भूमि में रोपित सागौन के पौधों को खसरे में दर्ज कराने तथा जरहा निवासी आशुतोष उपाध्याय के विशाल बरगद के पेड़ को हटाने के आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया। मनोज सोनी पतौता ने आर्थिक सहायता प्रदान करने, रामनरेश द्विवेदी द्वारा लक्ष्मणबाग में पुजारी नियुक्त करने तथा शांति त्रिपाठी खरहरी द्वारा प्राथमिक शिक्षक में संविलियन कराने के आवेदनों पर कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। उन्होंने ओड़की अमिलकी निवासी मानेन्द्र तिवारी के बिजली बिल में सुधार के आवेदन में बिजली विभाग के अधिकारी को कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी एवं तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ल ने भी समस्यायें सुनीं। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे

जिला स्तरीय साधिकार समिति की बैठक संपन्न

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय साधिकार समिति की बैठक में पुनर्घनत्वीकरण योजना के लिए रीवा शहर में निवर्तन योग्य भूमियों के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में संभागायुक्त आवासीय परिसर एवं उसके समीप स्थित एनएच कार्यालय परिसर, जिला पंचायत कार्यालय की भूमि, पुराना बस स्टैण्ड तथा जनपद कार्यालय रीवा परिसर एवं दुकानों के संबंध में क्षेत्रफलवार कलेक्टर गाइडलाइन की दर व मूल्य के अनुसार पुनर्घनत्वीकरण योजना से नवीन संरचनाओं के निर्माण पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान पॉलिटेक्निक कालेज के सामने शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय के आवासीय परिसर एवं जेल परिसर स्थित शासकीय भूमि के निवर्तन पर भी चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेडिकल कालेज की बाउन्ड्रीवाल, कलेक्ट्रेट में टायलेट निर्माण सहित सुपर स्पेशलिटी के डाक्टर्स क्वार्टर्स तथा सिविल लाइन में नवीन आवासीय भवनों का निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कराएं। उन्होंने आयुर्वेद कालेज भवन का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश पीआईयू के अधिकारियों को दिए। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एडिशनल एसपी अनिल सोनकर सहित निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले की एक ग्राम पंचायत पूर्णतः सोलर ग्राम पंचायत बनाई जाएगी

रीवा। जिले की एक ग्राम पंचायत को पूर्णत- सोलर ग्राम पंचायत बनाया जाएगा। इसके तहत संबंधित ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर को सोलर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम बनाकर परीक्षण कराते हुए ग्राम पंचायत का चयन कराएं। इस कार्य के लिए एनआरएलएम को नोडल बनाया जाएगा तथा ग्राम पंचायतों की बैठक आयोजित कर सरपंचों व अन्य पदाधिकारियों के सहयोग से यह कार्य कराया जाएगा। उन्होंने कहा है कि योजना के संबंध में ग्राम पंचायतों को सूचित किया जाए तथा मानकों में पात्र पाई जाने वाली ग्राम पंचायत को पूर्णत- सोलर ग्राम पंचायत बनाने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने कार्यालयों की छत में सोलर पैनल लगाए जाने के प्रस्ताव अक्षय ऊर्जा विभाग को 20 नवम्बर तक दें ताकि विभाग द्वारा कार्यालयों को सोलर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किया जा सके।

जिला चिकित्सालय में बनाये जा रहे हैं आयुष्मान कार्ड

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष से अधिक की आयु के वृद्धजनों को भी शामिल किया गया है। अब इन वृद्धजनों को भी 01 वर्ष में 05 लाख रुपये तक के ईलाज की निःशुल्क सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सम्पूर्ण जिले में पात्र लोगों एवं 70 वर्ष से अधिक की आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है।सिविल सर्जन डॉ. एएस चौहान ने जिला चिकित्सालय खरगोन के आयुष्मान कक्ष में प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे हैं। उन्होंने 70 वर्ष से अधिक की आयु के वृद्धजनों से अपील की है कि वे जिला चिकित्सालय में आकर अपने आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनवाएं।

राजस्व महाअभियान 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक चलाया जाएगा

राजस्व महाअभियान में लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुसार 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक राजस्व महाअभियान-3 चलाया जाएगा। अभियान के तहत नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेखों में सुधार तथा नक्शा तरमीम के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वामित्व योजना तथा अन्य राजस्व कार्यों के प्रकरणों का भी निराकरण किया जाएगा। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश देते हुए कहा है कि शासन के निर्देशों के अनुरूप राजस्व महाअभियान-3 का क्रियान्वयन करें। अभियान के लिए सभी कलेक्टर रणनीति तैयार कर लें। प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन अनिवार्य रूप से कराएं। बी-1 के वाचन के समय राजस्व निरीक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अभियान के संबंध में सभी एसडीएम बैठक लेकर शासन

के निर्देशों को पटवारियों को अवगत कराएं। अभियान के दौरान कलेक्टर, अपर कलेक्टर तथा एसडीएम राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। निरीक्षण के दौरान अभियान के लिए निर्धारित सभी बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। राजस्व महाअभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। प्रत्येक गांव में दीवार लेखन के माध्यम से शिविर की तिथियों की जानकारी दें। सभी जनप्रतिनिधियों को भी अभियान की पूरी जानकारी दें।

कमिश्नर ने कहा कि रीवा संभाग के सभी जिलों में नक्शा तरमीम के प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। साथ ही नक्शा तरमीम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के शेष प्रकरणों में आधार सीडिंग एवं स्वामित्व योजना में पात्र हितग्राहियों को आवासीय पट्टे जारी करने की कार्यवाही भी करें। अभियान के दौरान अभिलेखों में सुधार, खसरे के अनुसार नक्शे में बटांकन दर्ज करने के प्रकरण निराकृत करें। अभियान के दौरान प्रत्येक भू स्वामी के खसरे नम्बर से आधार संख्या की सीडिंग कराएं। किसान पोर्टल पर स्वयं आधार सीडिंग कर सकता है। इसका सत्यापन पटवारी से कराएं। संभाग के सभी तहसीलों में निर्धारित अवधि में प्रत्येक पटवारी हल्के में शिविर लगाकर बी-1 का वाचन कराएं। बी-1 के वाचन से प्राप्त फौती नामांतरण के प्रकरण दर्ज कर उनका अभियान के दौरान निराकरण करें।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा जिले में आगामी 15 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी और जल-जंगल-जमीन के संरक्षक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर एक विशाल आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में आदिवासी समाज के उत्थान व अधिकारों के लिए प्रेरणादायक विचारों को सामने रखा जाएगा। बिरसा मुंडा विचार मंच के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में भोजपुरी सिने जगत के सुपरस्टार और लोकप्रिय गायक श्री पवन सिंह विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। आज स्वयंवर विवाह घर में आयोजित प्रेस वार्ता में बिरसा मुंडा विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र सिंह जी, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु कांत कुशवाहा जी, और राष्ट्रीय संयोजक बृजलाल कोल जी ने पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्याप्त शोषण, अन्याय, और अधिकारों से वंचित आदिवासी समाज की आवाज को बुलंद करना है।

कार्यक्रम के प्रमुख मुद्दे और मांगें

1. भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों की पुनः आवश्यकता- जल, जंगल और जमीन के लिए बिरसा मुंडा द्वारा लड़ी गई लड़ाई आज भी प्रासंगिक है। समाज को उनके विचारों पर चलने की प्रेरणा देने की आवश्यकता है। 2. शोषित और पीड़ित आदिवासी समाज की आवाज- गरीब, भोले-भाले आदिवासी समुदाय को सरकारी भ्रष्ट तंत्र के मकड़जाल में उलझाया जा रहा है। उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हमें एकजुट होना होगा। 3. अधिकारों की मांग- हमें भीख नहीं बल्कि अधिकार चाहिए। हर आदिवासी परिवार के लिए रोजगार, रोटी, कपड़ा और मकान का अधिकार सुनिश्चित हो। 4. जमीन का अधिकार- प्रत्येक आदिवासी परिवार को 2 एकड़ जमीन मिले ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। 5. प्रधानमंत्री आवास योजना में सुधार- मात्र ड़1.20 लाख की राशि में घर बनाना संभव नहीं है। या तो सरकार इसे बढ़ाए या स्वयं मकान बनाकर दे। 6. लॉलीपॉप नहीं, वास्तविक अधिकार चाहिए- आदिवासी समुदाय को सरकारी लॉलीपॉप से नहीं, बल्कि पढ़ाई, दवाई और कमाई का अधिकार सुनिश्चित किया जाए। 7. शिक्षा में निःशुल्क कोचिंग की सुविधा- आदिवासी विद्यार्थियों को जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में जाने हेतु प्रत्येक विकासखंड में निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाए। 8. विशेष पैकेज की मांग- गुना जिले की सहरिया जाति की तरह विन्ध्य की कोल जनजाति के लिए भी विशेष पैकेज की व्यवस्था हो। बिरसा मुंडा जयंती का यह आयोजन समाज को जागरूक करने का प्रयास है और साथ ही हमारे बहादुर पूर्वजों के बलिदान को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है। आइए, इस ऐतिहासिक दिवस पर एकत्रित हों और अपने अधिकारों के लिए मिलकर आवाज उठाएं।

धर्मपरिवार ने घरेलू दीवाली को बना दिया सार्वजनिक

दीपोत्सव पुरस्कार वितरण में कलाकारों ने बांध समॉ, देर रात तक पद्मधर पार्क में तालियॉ गूंजती रही

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। लगातार 26वें वर्ष में हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार का सार्वजनिक दीपोत्सव 2024 नगर के आयोजनो की श्रृंखला में यादगार मील का पत्थर है। धर्मपरिवार ने घरेलू दीपावली त्यौहार को सार्वजनिक तौर पर मनाकर सभी गरीब अमीर जाति, वर्ग, धर्म के लोगो को पद्मधर पार्क के विशाल मंच पर एक साथ खड़ा करके साम्प्रदायिक सद्भाव का जो परिचय दिया है वह काबिले तारीफ है यह उद्गार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित संजय गांधी अस्पताल के पूर्व संचालक डॉ0 सी0बी0शुक्ला ने व्यक्त किये। अध्यक्षता कर रहे रेडक्रास चेयरमैन डॉ0 प्रभाकर चतुर्वेदी ने धर्म परिवार एवं नगर वासियों को बधाई देते हुये कहा कि देर रात तक पदमधर पार्क में कलाकारो का प्रदर्शन देखकर जिस तरह तालिया गूँजती रही है वह आयोजन की भव्य सफलता की निशानी है। बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व नगर निगम आयुक्त हरभजन सिंह पोहले ने धर्मपरिवार को ऐसे कार्यक्रमों के लिये तनमनधन से सहयोग देने का वादा किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार विजय थारवानी, प्रमोद मिश्रा गुड्डू वरिष्ठ छायाकार आफताल आलम, रामचंद्र वर्मा आखिरी तक उपस्थित रहे। अध्यक्ष गुरमीत सिंह के कुशल निर्देशन में सम्पन्न इस आयोजन में संस्थापक आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी ने स्वागत उदबोधन दिया और सहआजीवन संरक्षक सुनील अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया। मंच संचालन सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू, नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा एड0 एवं हिमालय ग्रुप के प्रमुख जावेद खान ने मिलजुल कर रोचक ढंग से किया।

कार्यक्रम संयोजक एवं युवा अध्यक्ष सुमित माँजवानी ने भव्य आयोजन को सम्पन्न कराने में अपनी महती भूमिका निभाकर उपस्थित जनसमुदाय के साथ दीप प्रज्जवलन व आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण कराया गया। इस शुभ अवसर पर शामिल डांस ग्रुपो हिमालय डांस ग्रुप, ब्लैक पैंथर ग्रुप, ग्रामीण बाल प्रतिमा मंच एवं डीसेन्ट डांस ग्रुप के कोरियोग्राफरो के साथ शामिल सभी एकल एवं समूह नृत्य कलाकारो को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान ज्ञापित किया गया। नगर के वरिष्ठ समाज सेवी उमेश सेन, बघेली निर्देशक संजय सेन, बघेली फिल्म कलाकार विकास सेन अनिल के साथ नीलेश श्रीवास्तव सिंगर को भी सम्मानित किया गया। शेष बचे मीडिया कर्मियो का भी अभिनंन किया गया। आयोजन को सफल बनाने के लिये नगर उपाध्यक्ष राकेश कुमार आसवानी राकी युवा उपाध्यक्ष, राजेश साहू, जगन्नाथ साहू, युवा संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसखा यादव महिला अध्यक्ष संतोषी गुप्ता आदि ने भरपूर योगदान दिया। गोकुल लाइट, पवन टेंट हाउस, डीसेन्ट साउंड के साथ एनके होण्डा एजेन्सी पडरा के साथ सभी स्पांसर सहयोगियो को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। नगर पालिक निगम म0प्र0 विद्युत मण्डल की सहयोगी भूमिका की भूरि-भूमि प्रशंसा की गई। दो दिवसीय आयोजन में ग्रामीण बाल प्रतिभा मंच मगुरिहाई के कलाकारो ने दोनो दिनो के आयोजन में जिस प्रकार का विशाल मंच पर कलानृत्य प्रदर्शन किया गया उसके लिये उन्हे धर्मपरिवार ने साधुवार ज्ञापित किया है एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाये दी। सार्वजनिक दीपोत्सव-2024 के समापन अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में देर रात तक दर्शको का जमावड़ा रहा। सजे धजे पद्मधर पार्क में नगर वासियों ने उपस्थित होकर जिस तरह आयोजन को गरिमा प्रदान की उससे हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार को मनोबल और अधिक शक्ति से आगे भी कार्य करते रहने की प्रेरणा मिली है।

करेरा के युवाओं ने कर दी सारी हदें पार गुंडागर्दी का इतना नशा चढ़ रहा करेरा की युवाओं को के खुलेआम 315 की कटे लहरा रहे

पत्रकार मोनिका परिहार

पुलिस को चुनौती दे रहे युवा कभी भी घट सकती है बड़ी घटना पुलिस को सावधानी बरतनी की जरूरत ऐसी गुंडागर्दी करने वाले लोगों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए जे जो कटा लहरा रहा है इसका नाम (प्रिंस बुंदेला उर्फ राजा)इसकी भी अलग से ही गुंडागर्दी चल रही है इस पर पहले भी केस दर्ज हो चुके है पुलिस कर रही है नजरअंदाज खातों का भी करता है लेनदेन गुना कलेक्टर के लडके मामले में भी इसका नाम आया था फर्जी करंट अकाउंट का लेनदेन जोरों पर कर रहा है यह व्यक्ति पता नहीं अभी तक पुलिस की नजरों से कैसे बच रहे हैं अपराधी अब तो खुलेआम कट्टा लहरा रहा है और बार-बार करेला पुलिस को दे रहा है चुनौती जल्द से जल्द कार्रवाई करें करेरा पुलिस थाना प्रभारी विनोद कुमार छवाई को जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए इस पर फतेहपुर गांव का रहने वाला यह व्यक्ति और करैरा में भी एक मकान है जो की काली माता मंदिर के पीछे भी रहता है जल्द से जल्द पुलिस इस पर एक्शन ले कार्रवाई करें।

जल गुणवत्ता परीक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

जल निगम ग्रामीण कैम्पस में हुआ कार्यक्रम

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। एडीएम नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के मुख्य आतिथ्य में एक दिवसीय जल गुणवत्ता परीक्षण कार्यशाला का आयोजन कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय जल निगम (ग्रामीण) के परिसर में किया गया। कार्यशाला में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में उपचारित पेयजल की आपूर्ति हेतु निर्मित 15 नग जल शोधन संयंत्रों पर कार्यरत लैब सहायकों को जल निगम (ग्रामीण) ललितपुर के ट्रेनरों द्वारा जल परीक्षण के सम्बन्ध में ट्रेनिंग दी गयी एवं पेयजल हेतु निर्धारित पैरामीटर (गन्दलापन, टी.डी.एस., पी.एच., फ्लोराईड, एसनेक, ई-कोली) के परीक्षण को विस्तृत रूप से समझाया गया। कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी द्वारा आये हुए लैब सहायकों से संवाद किया गया तथा स्थापित लैब को सुव्यवस्थित रखकर ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक ग्रामों में शुद्ध उपचारित पेयजल आपूर्ति हेतु निर्देश दिये गये। कार्यशाला में जल निगम अधिशासी अभियन्ता इंजी.अवनीश सिंह, लीडर थीम इंजी. रमेश गुप्ता, टीम लीडर बी.एल.जी. सर्विसेज आशुतोष श्रीवास्तव, मेसर्स सुधाकरा इन्फ्राटेक प्रा.लि. आकाश सिंह, मेसर्स जे.एम.सी. पवन कुमार, मेसर्स बानको गंगा प्रा.लि. अमित सिंह, मेसर्स दारा इंजीनियरिंग प्रा.लि., जल निगम के जूनियर इंजीनियर व सहायक अभियन्ता, ट्रेनर कैमिस्ट प्रियंका पाल व विनीषा राज आदि उपस्थित रही।

गंभीर आरोपः नपाध्यक्षा के फर्जी हस्ताक्षर से हो रहे भुगतान

पार्षद ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर उठायी फोरेन्सिक जांच की मांग

ललितपुर। नगर पालिका परिषद में शहर में विकास के नाम पर चल रहे कार्यों को लेकर पार्षद मनमोहन चौबे एड. ने नाराजगी जाहिर करते हुये जिला प्रशासन से पूर्व में भी कई बार तमाम शिकायतें भेजी हैं, जिससे वह काफी सुर्खियों में भी रहे। अब पार्षद मनमोहन चौबे एड. ने जिलाधिकारी को एक पत्र भेजते हुये नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा के फर्जी हस्ताक्षरों से भुगतान होने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने डीएम को दिये शिकायती पत्र में बताया कि नपाध्यक्ष काफी समय से अस्वस्थ्य हैं और नगर पालिका परिषद कार्यालय आने में असमर्थ हैं। गंभीर आरोप लगाते हुये शिकायती पत्र में बताया कि नपाध्यक्षा के फर्जी हस्ताक्षर करके नगर पालिका से भुगतान बराबर हो रहा है, इसे पार्षद ने गलत करार दिया। पार्षद ने जिलाधिकारी से नपाध्यक्ष के हस्ताक्षरों की फोरेन्सिक जांच कराये जाने की मांग उठाते हुये जिन्होंने ऐसे कृत्य को अंजाम दिया है, ऐसे लोगों पर भी सख्ती से कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

अमृतसर दादर एक्सप्रेस से महिला यात्री का पर्स चोरी जीआरपी थाने में दर्ज की गयी एफआईआर, जांच शुरू

ललितपुर। रविवार की रात थाना जीआरपी में एक मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण में झारखंड राज्य के गुमला अंतर्गत एल्बेर्ट एक्का (जारी) के दर्पण टोली निवासी अनूप इक्का पुत्र स्व.वोनीफास ने कार्यवाहक प्र.आर. 198 छतर सिंह को बीती 10 अक्टूबर को डे-ऑफीसर ड्यूटी के दौरान आकर बताया कि वह अपनी पत्नी प्रतिमा के साथ लुधियाना से विदिशा की यात्रा ट्रेन नं. 11058 अमृतसर दादर एक्सप्रेस के कोच एस-2 की बर्थ 36-37 पर कर रहा था। यात्रा के दौरान रात में खाना खाकर सो गये। सुबह करीब 6 बजे उसकी नींद खुली तो उसने चाय पीने के लिए अपनी पत्नी से रुपये मांगे। रुपये मांगने पर उसकी पत्नी की सीट नं.37 पर रखा लेडीज पर्स लाल रंग का नहीं मिला। पर्स को आसपास काफी तलाश किया, लेकिन पता नहीं चला। अनूप इक्का ने बताया कि उसकी पत्नी के लेडिज पर्स में आधार कार्ड, पेन कार्ड, 2 एटीएम बैंक ऑफ इण्डिया व एसबीआई, नकदी करीब 6 हजार रुपये रखे थे। आरोप है कि कोई अज्ञात व्यक्ति नींद का फायदा उठाकर पर्स चोरी कर ले गया। मामले में विदिशा स्टेशन पर उतरकर अपनी पत्नी के साथ शिकायत की गयी। अनूप इक्का की मौखिक शिकायत के आधार पर जीआरपी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

प्राइवेट विद्यालयों का उत्पीड़न नहीं होगा बर्दाश्तः अजय श्रीवास्तव

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की जखौरा ब्लाक स्तरीय इकाई गठित, अरुण ताम्रकार ब्लॉक अध्यक्ष एवं हरिमोहन गोस्वामी बने महामंत्री

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट
पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। एमकेजी पब्लिक स्कूल बांसी में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की ब्लॉक स्तरीय बैठक संगठन के जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की ब्लॉक स्तरीय इकाई का गठन किया गया। प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की विकास खंड जखौरा स्तरीय बैठक का आयोजन एमकेजी पब्लिक स्कूल बांसी के सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने कहा कि एसोसिएशन की सभी ब्लॉक स्तर पर इकाइयों का गठन बहुत शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। प्रत्येक विकास खण्ड स्तरीय इकाई का गठन आगामी दिसंबर माह तक पूर्ण करने की योजना है। उन्होंने कहा कोई भी विद्यालय एसोसिएशन की सदस्यता से वंचित नहीं रहेगा। अजय श्रीवास्तव ने कहा कि सभी विद्यालय साथी संगठित रहे एवं संगठन के विकास के लिए कार्य करें। इस अवसर पर महामंत्री ध्रुव साहू ने बताया कि विकास खण्ड जखौरा की इकाई का गठन सर्वसम्मति से किया गया है जिसमें अरुण ताम्रकार ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार झा उपाध्यक्ष, हरिमोहन गोस्वामी महामंत्री वीर सिंह यादव कोषाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह राजपूत मंत्री, भानु प्रताप यादव थनवारा को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक अक्षय अलया, आलोक रिछारिया, जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, जिला महामंत्री ध्रुव साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबाबू राजपूत, कनिष्ठ उपाध्यक्ष वसीम खजुरिया, कोषाध्यक्ष शिशुपाल, राहुल राठौर, संगठन मंत्री आकाश मसीह, विकास खण्ड बार के प्रभारी रामसेवक, बृजेंद्र सिंह ननौरा, दिनेश कुमार झा, वीरसिंह यादव, हरिमोहन गोस्वामी, राकेश जैन, सुदामा प्रसाद दुबे, रमाशंकर गोस्वामी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

परीक्षा केन्द्रों को लेकर आपत्ति प्रत्यावेदन 14 तक दें

ललितपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक ओम प्रकाश ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुये अवगत कराया है कि शासनादेश 17 सितम्बर एवं संशोधित शासनादेश 04 नवम्बर 2024 के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष 2025 की हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट परीक्षाओं हेतु माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर जनपद ललितपुर के 47 ऑनलाइन प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों की सूची छात्र आवंटन सहित माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज सचिव के पत्र द्वारा प्राप्त हुई हैं, जिसको सर्व संबंधित के संज्ञानार्थ प्रकाशित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। शासनादेशों व विभागीय आदेशों के अनुपालन में उन्होंने सभी छात्र, अभिभावकों व प्रधानाचार्य, प्रबन्धक शासकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय को सूचित किया हैं कि ऑनलाइन प्रस्तावित 47 परीक्षा केन्द्रों की सूची (छात्र आवंटन सहित) को विभागीय विद्यालयी व्हाट्सएप ग्रुप एवं विद्यालय के ई-मेल पर इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि उपरोक्तानुसार प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों का विधिवत् परीक्षण कर लें एवं अपने-अपने विद्यालय के छात्रों, अभिभावकों, प्रबन्धक को ससमय अवलोकित करवा दें और स्वयं भी अवलोकित कर लें। परिषद से प्राप्त छात्र आवंटन सहित के सम्बन्ध में यदि संस्था के छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य, प्रबन्धक को कोई आपत्ति है तो उक्त आपत्ति के सम्बन्ध में युक्तियुक्त कारणों, साक्ष्यों सहित परिषद द्वारा निर्धारित प्रारूप (संलग्न) में अपना प्रत्यावेदन ऑनलाइन तरीके से माध्यमिक शिक्षा परिषद के पोर्टल पर निर्धारित अन्तिम तिथि 14 नवम्बर, 2024 की सायं 05 बजे तक प्रेषित करना सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि 14 नवम्बर 2024 के बाद कोई भी प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं होगा। केवल ऑनलाइन आपत्तियों स्वीकार की जायेगी। उपरोक्त केन्द्रों की सूची को कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक के सूचना पट पर भी अवलोकित किया जा सकता है।

उलाहना देने पर मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। थाना बार अंतर्गत ग्राम जरावली निवासी भागवती पत्नी बन्दू अहिरवार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते सोमवार को रात करीब 8 बजे वह पुरानी बात को लेकर गांव के पुनेश रजक पुत्र बूटी के घर उलाहना देने गयी थी। जहां से वह अपने घर वापस आयी तो समय करीब 8.10 बजे पुनेश व इंशेन्द्र पुत्र पुनेश ने उसके घर आकर उसके साथ लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी। शोरगुल सुनकर बचाने आयी उसकी पुत्री अभिलाषा के साथ भी मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी। महिला की तहरीर पर पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रोजगार मेले का आयोजन आज

ललितपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी आकांक्षा यादव ने बताया है कि सेवायोजन कार्यालय के तत्वाधान में पनारी स्थित महाविद्यालय में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन 13 नवम्बर 2024 को किया जा रहा है। मेले में विभिन्न पदों पर कुल 2425 रिक्तियों पर भर्ती की जा रही है, जिसमे शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं परास्नातक, आई.टी.आई. एवं डिप्लोमा सभी ब्रांचों में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की आवश्यकता है। वृहद रोजगार मेले में सम्मिलित होने व साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों को अपना पंजीयन रोजगार संगम पोर्टल पर जॉबसीकर/कैम्पस स्टूडेण्ट के रूप में कराना होगा। पंजीयन के उपरान्त रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु इच्छित कम्पनी में अपना आवेदन भी करना होगा। आगे बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय के माध्यम से आयोजित होने वाले रोजगार मेलो में कम्पनियों द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्ण रूप से मुफ्त होती है, जिसमें अभ्यर्थियों से नियुक्ति से पहले या बाद में किसी प्रकार के रूपये/सिक्योरिटी डिपोजिट की डिमाण्ड नही की जाती है। यदि अभ्यर्थियों से कोई भी रूपये/सिक्योरिटी डिपोजिट की डिमाण्ड की जाती है तो अभ्यर्थी ऐसे फेक एसएमएस, ईमेल या फोन कॉल्स को सत्य मानकर पैसे ऑनलाइन या ऑफलाइन डिपोजिट न करें तथा ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी सीधे जिला सेवायोजन कार्यालय में सम्पर्क करें।

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आज

जनसुनवाई हेतु पीड़ित महिला शिकायती पत्र के साथ लाये आवश्यक दस्तावेज- प्रोबेशन अधिकारी

ललितपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल सिंह ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन् की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता के दृष्टिगत प्रदेश के विभिन्न जनपदों (देवरिया, उन्नाव, सीतापुर, अयोध्या, शामली, मेरठ, बुलंदशहर, बिजनौर, औरैया, मऊ, झांसी, लखीमपुर खीरी, हाथरस, सोनभद्र, फतेहपुर, बरेली, पीलीभीत, ललितपुर, संत कबीर नगर, कौशांबी, कासगंज एवं बदायूं) में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में महिला उत्पीडन् की घटनाओं की समीक्षा, महिला जनसुनवाई, निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उक्त के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद में महिला उत्पीडन् की समस्याओं के निराकरण हेतु नामित सदस्य अर्चना पटेल की अध्यक्षता में 13 नवंबर 2024 को पूर्वान्ह 11 बजे सर्किट हाउस सभागार, पीडब्ल्यूडी में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने आयोजित महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में उत्पीडन् से पीड़ित महिला शिकायतकर्ता अपने साथ शिकायती पत्र, मोबाइल नंबर एवं पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड आदि की छाया प्रति अनिवार्य रूप से लाएं।

जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान के लिए सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जेसी मिल ग्वालियर का जायजा लेने पहुँचे मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा इंदौर की हुकुमचंद मिल की तर्ज पर करायेंगे जेसी मिल ग्वालियर के श्रमिकों का भुगतान, अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर अभिभूत हुए जेसी मिल श्रमिक व उनके परिजन, श्रमिकों ने मुख्यमंत्री का किया आत्मीय स्वागत और कहा अब हमें भरोसा है कि जल्द हमारी सभी देनिदारियां मिल जायेंगीं, ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने मुख्यमंत्री के प्रति जेसी मिल श्रमिकों की ओर से जताया आभार

महेंद्र शर्मा उप संपादक
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है जेसी मिल ग्वालियर के श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इंदौर के हुकुमचंद मिल और उज्जैन के विनोद मिल की तर्ज पर जल्द ही जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों का भुगतान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव सोमवार को ग्वालियर की जेसी मिल का जायजा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जेसी मिल परिसर का भ्रमण किया, साथ ही नक्शे के माध्यम से जेसी मिल की जमीन व अन्य परिसम्पत्तियों की जानकारी ली। ऊर्जा मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री प्रद्युम्न सिंह भी इस अवसर पर उनके साथ थे। अपने बीच मुख्यमंत्री डॉ यादव को पाकर जेसी मिल श्रमिक व उनके परिजन अभिभूत हो गए। सभी ने पुष्पाहारों से मुख्यमंत्री डॉ यादव का आत्मीय स्वागत किया। साथ ही कहा पहली बार कोई मुख्यमंत्री हमारी दुःख-तकलीफ सुनने जेसी मिल तक आया हैं। अब हमें पूरा भरोसा हूं कि जेसी मिल पर लंबित हमारी वर्षों पुरानी देनदारियों का भुगतान हो जाएगा। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सभी जेसी मिल श्रमिकों की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जेसी मिल श्रमिकों के हितों की रक्षा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा सरकार मुकदमा नहीं समाधान चाहती है। इसी भावना के साथ सरकार न्यायालय में श्रमिकों के हित मे अपना पक्ष रखेगी, जिससे श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान का रास्ता साफ हो सके। उन्होंने कहा कि जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों के भुगतान के सिलसिले में अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। मिल की जमीन व परिसम्पत्तियों के सर्वे का काम कर लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे आयोजन कर नए उद्योगों के निर्माण को प्रोत्साहित कर रही है। साथ ही बंद मिलों के श्रमिकों की देनदारियां चुकाने का निर्णय भी सरकार ने लिया है। इस दिशा में इंदौर की हुकुमचंद मिल और उज्जैन की विनोद मिल की देनदारियों का भुगतान किया जा चुका है। इसी तर्ज पर जेसी मिल और प्रदेश की अन्य बंद मिलों की देनदारियों का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा जेसीमिल के लगभग 8 हजार श्रमिकों की देनदारियों का शीघ्र भुगतान कराने के लिए सरकार गंभीरता से प्रयासरत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, महिला, युवा व किसानों को देश के चार स्तम्भ के रूप में रेखांकित किया है। प्रदेश सरकार इन सभी के उत्थान के लिये कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किए गए जेसी मिल के भ्रमण के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री अभय चौधरी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा एवं बीज निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री महेन्द्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधगण तथा संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री, पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव एवं अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा की गई पहल से ग्वालियर की तस्वीर बदलेगी ङ्क मंत्री श्री तोमर-इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री तोमर ने जेसी मिल श्रमिकों की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा की गई पहल से न केवल जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों का भुगतान होगा बल्कि इससे ग्वालियर की तस्वीर भी बदलेगी।

ग्वालियर में आईटी इकाईयों को बड़ावा दिया जायेगा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर में आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) के क्षेत्र में अपार संभावनायें हैं। आईटी विशेषज्ञ यहाँ के युवाओं को बाहर न जाना पड़े, इसके लिये ग्वालियर में सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित इकाईयों को प्रदेश सरकर द्वारा विशेष बड़ावा दिया जायेगा।

प्रदेश में फरवरी में विश्व स्तरीय इन्वेस्टर मीट होगी- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश बड़ाने के लिये रीजनल कॉन्क्लेव की श्रृंखला चलाई जा रही है। ग्वालियर, जबलपुर, सागर व रीवा इत्यादि शहरों में रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित हो चुकी हैं। इसी कड़ी में 7 दिसम्बर को नर्मदापुरम संभाग व जनवरी माह में शहडोल में रीजनल कॉन्क्लेव का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने कहा संभाग स्तर पर रीजनल कॉन्क्लेव की श्रृंखला पूरी होने के बाद फरवरी माह में प्रदेश में विश्व स्तरीय इण्डस्ट्रीयल समिट का आयोजन होगा। प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिये विश्व भर के उद्यमियों को आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कड़ी में वे जल्द ही जर्मनी व ब्रिटेन के दौरे पर निवेशकों को आमंत्रित करने के लिये जायेंगे। उन्होंने कहा इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे आयोजनों से प्रदेश में उद्योग फ्रेंडली माहौल बना है, जिससे वृहद स्तर पर औद्योगिक निवेश हो रहा है। इससे प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

स्कूल समय के दौरान कोचिंग सेंटर संचालित न होः प्राचार्य वर्मा

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

गोहद। मौ नगर में कोचिंग संचालकों द्वारा स्कूल के समय में प्राइवेट कोचिंग संचालित न हो इसको लेकर प्राचार्य ने कोचिंग संचालकों से अपील की है। यहां बता दें कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और शासकीय स्कूलों में छात्र छात्राओं को हर एक सुविधा निशुल्क प्रदान करने पर जोर देते हुए कई प्रकार की योजनाएं संचालित कर रही है। लेकिन इस समय कोचिंग संचालकों द्वारा अपने अपने कोचिंग सेन्टरों को लगातार स्कूल समय में संचालित की जा रही हैं। जिस कारण शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों छात्राओं को परेशानी उत्पन्न होती है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मौ (सीएम राइज) प्राचार्य मुन्नालाल वर्मा ने प्रेस वार्ता के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्कूल संचालन का समय 10:30 से शाम 4:30 बजे तक निर्धारित किया गया है इस दौरान नगर में संचालित कोचिंग सेंटरों पर कोचिंग संचालकों द्वारा कक्षाएं संचालित की जाती है जिससे शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र छात्राएं स्कूल में ना आते हुए सीधे कोचिंग सेंटर के लिए चले जाते हैं जबकि शासकीय स्कूलों में आने से छात्रों को सभी विषयों के विशेषज्ञ द्वारा संपूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा जो की प्राइवेट कोचिंग सेंटरों पर उन्हें नहीं मिल पाता इसके कारण बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है प्राचार्य मुन्नालाल वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जो संचालक कोचिंग संचालित कर रहे हैं। पूर्व में सभी उन संचालकों के साथ बैठक कर कहा गया था कि आप लोग सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक कोई भी कोचिंग की कक्षाएं संचालित ना करें जिससे कि बच्चों को स्कूल आने में समस्या उत्पन्न ना हो यदि इसके बावजूद भी स्कूल समय में कोई भी कोचिंग संचालक अपनी कक्षाएं संचालित करता है तो उनके खिलाफ जिला प्रशासन को कार्रवाई करने हेतु पत्र व्यवहार किया जाएगा।

मलाइका अरोड़ा

से तलाक के बारे में अरबाज खान ने की बात, बताया अपने बेटे का रिएक्शन

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के तलाक को हुए लगभग 7 साल हो चुके हैं, लेकिन अलग होने के बाद से भी दोनों का रिश्ता काफी अच्छा नजर आता है. हाल ही में मलाइका से अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए अरबाज ने अपने बेटे की बात की. उन्होंने बताया कि तलाक के बाद से उनके बेटे अरहान ने सिचुएशन को काफी अच्छे ढंग से हैंडल किया है. इसके साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनके बेटे की वजह से उनका और मलाइका का रिश्ता अच्छा है. अरबाज और मलाइका ने साल 2017 में आपसी सहमति के साथ तलाक लिया था.अरबाज खान ने अपने बेटे अरहान के बारे में बात करते हुए बताया कि वो उन्हें और मलाइका को तलाक के बाद भी जोड़े रखता है. उन्होंने कहा, हम इतने सालों से साथ हैं और हमने कई यादें साथ में बनाई हैं. इसमें सबसे जरूरी बात ये है कि हमारा एक बच्चा भी है, जो हमे एक-दूसरे के साथ सम्मान जोड़े रखता है. हमारा रिश्ता कुछ वक्त से ठीक नहीं चल रहा था, इसलिए हम अलग हो गए.

काफी समझदारी से हैंडल किया

अरबाज ने मलाइका के परिवार के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए बताया कि उन सभी के साथ उनका दोस्ताना व्यवहार है. कुछ महीने पहले जब मलाइका के पिता की डेथ हुई थी तो, अरबाज के साथ-साथ पूरा खान परिवार उनके घर पहुंचा था, जिसमें सबसे पहले अरबाज ही पहुंचे थे. तलाक के बारे में बात करते हुए अरबाज ने अपने बेटे के बारे में कहा कि उसने काफी समझदारी के साथ हमारे डिसीजन को हैंडल किया. जब वो बड़ा हो जाएगा तो सब कुछ सही हो जाएगा.

2023 में अरबाज ने की शादी

अरहान को एक परफेक्ट बेटे के तौर पर बताते हुए अरबाज ने कहा कि उसने जिस तरह से सब कुछ संभाला वो काफी अच्छा था, अक्सर इस उम्र में ऐसा होने पर बच्चों पर गलत असर पड़ता है. लेकिन अरहान पूरे वक्त काफी पॉजिटिव रहा है. अरबाज खान ने साल 2023 में शूरा खान के साथ शादी रचा ली.

जेसी मिल श्रमिकों को मिलेगा हक, ऊर्जा मंत्री ने किया धन्यवाद

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव तथा केंद्रीय संचार पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी का

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जेसी मिल के श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान का भरोसा दिलाए जाने के बाद ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इंदौर के हुकुमचंद मिल की तर्ज पर जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों का भुगतान किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह पहला अवसर है जब प्रदेश सरकार का कोई मुखिया हमारे श्रमिक भाईयों के बीच आकर उनकी तकलीफ को नजदीक से जाना है। उन्होंने कहा आज अपने बीच मुख्यमंत्री को देखकर हमारे श्रमिक भाई अभिभूत हुए हैं। उन्हें भरोसा हो गया है कि जेसी मिल पर लंबित हमारी वर्षों पुरानी देनदारियों का भुगतान हो जाएगा। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों के भुगतान के लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए जा चुके हैं। मिल की जमीन व परिसम्पत्तियों के सर्वे का काम कर लिया गया है। अब जल्द ही हमारा वर्षों पुराना सपना साकार होगा।

स्वच्छता की कहानी बयां कर रहे हैं स्मार्ट वाशरूम कैफे

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर के मुख्य आतिथ्य में सिविल अस्पताल हजीरा में स्मार्ट वाशरूम कैफे फेज-2 का हुआ लोकार्पण

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। शहर में स्वच्छता और सुंदरता बढाने के लिए स्मार्ट शौचालय बनाये जा रहे हैं। इस पहल से न केवल सफाई और सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि यह शहरवासियों के लिए एक स्वच्छ और आधुनिक शौचालय सेवा सुनिश्चित करेगा। यह कदम स्मार्ट सिटी की दिशा में एक और महत्वपूर्ण प्रयास है। इस स्मार्ट शौचालय का लाभ अस्पताल में आने वाले मरीजों उनके परीजनों को मिलेगा ही साथ ही क्षेत्रीय आमजन को भी मिलेगा। यह बात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल हजीरा पर बनाये गए स्मार्ट वाशरूम कैफे के लोकार्पण के अवसर पर कही। लोकार्पण के अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सिविल अस्पताल हजीरा आने वाले दिनों में प्रदेश में अव्वल स्थान पर होगा। सिविल अस्पताल में मरीजों की संख्या काफी बड़ी है। इस बात को ध्यान में रखकर यहाँ पर आईसीयू यूनिट स्थापित की गई है, जो शीघ्र चालू हो जायेगी। इसका लाभ जरूरतमंद मरीजों को मिलेगा। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि अस्पताल का बेहतर संचालन हो सके लिए लिए अस्पताल के संचालन के लिए अधिक से अधिक दान दें, अपने जन्म दिवस या शादी पार्टी पर खर्च न करते हुए अस्पताल में दान दें। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अस्पताल संचालक को निर्देशित किया कि यहां रोगी कल्याण समिति का बॉक्स लगायें तथा एक कांउटर पर्ची काटने का रखें। स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नीतू माथुर ने जानकारी दी कि स्मार्ट सिटी द्वारा शहर में 10 स्थानों पर स्मार्ट वॉशरूम कैफे बनाए गए थे, जोकि साधारण वॉशरूम से काफी अलग है। इन्हें बनाने में उच्चतम तकनीक का प्रयोग किया गया है। वॉशरूम में सेंसर युक्त लाइट जो व्यक्ति के प्रवेश के साथ ही वाशरूम में जलती है, ताकि लाइट की बचत हो सके। इसके साथ ही वॉशरूम का प्रयोग करने के लिए विशेष कॉइन सिस्टम रखा गया है जिसे मशीन में डालने पर ही वॉशरूम का दरवाजा खुलता है। स्मार्ट सिटी द्वारा तैयार किए गए इन वॉशरूम में महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं जिनमें सुरक्षा के साथ ही सेनेटरी पैड मशीन व अन्य प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। इसके अलावा इन वॉशरूम में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है, ताकि किसी भी प्रकार की गंदगी इस वॉशरूम में दिखाई ना दे। इसमें एफटीपी प्लांट लगाया गया है, जिससे पानी का उपयोग पुनः किया जा सके तथा सोलर सिस्टम भी लगाया गया है, इसके साथ ही शुद्ध आरओ का पानी भी यहाँ पर मिलेगा। इनका संचालन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप माडल पर किया गया है। स्मार्ट सीईओ नीतू माथुर ने बताया कि शहर में और अधिक स्मार्ट वॉशरूम कैफे की डिमांड की जा रही है, जिसको देखते हुए इस परियोजना के द्वितीय चरण में इसी प्रकार के 10 वॉशरूम कैफे बनाए गए है। जिनका आज लोकार्पण किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि श्री योगेन्द्र तोमर, श्री मनमोहन पाठक, श्री गुड्डू रत्नाकर, श्री मायाराम तोमर, श्री वेदप्रकाश शिवहरे, श्री ओमप्रकाश नामदेव, श्री सुरेन्द्र चौहान, श्री आजाद त्रिपाठी सहित क्षेत्रीय नागरिकगण उपस्थित रहे।

जेसी मिल श्रमिकों को मिलेगा हक, ऊर्जा मंत्री ने किया धन्यवाद

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव तथा केंद्रीय संचार पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी का

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जेसी मिल के श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान का भरोसा दिलाए जाने के बाद ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इंदौर के हुकुमचंद मिल की तर्ज पर जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों का भुगतान किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह पहला अवसर है जब प्रदेश सरकार का कोई मुखिया हमारे श्रमिक भाईयों के बीच आकर उनकी तकलीफ को नजदीक से जाना है। उन्होंने कहा आज अपने बीच मुख्यमंत्री को देखकर हमारे श्रमिक भाई अभिभूत हुए हैं। उन्हें भरोसा हो गया है कि जेसी मिल पर लंबित हमारी वर्षों पुरानी देनदारियों का भुगतान हो जाएगा। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों के भुगतान के लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए जा चुके हैं। मिल की जमीन व परिसम्पत्तियों के सर्वे का काम कर लिया गया है। अब जल्द ही हमारा वर्षों पुराना सपना साकार होगा।

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है। मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रंगीन पर्दा जरूर लगा हो। पर्दा लगा होने की स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉर्नर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो ।

आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करें

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यों से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचित आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यों से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम करने की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

भूतपूर्व सैनिक एवं शहीदों के परिजन अपनी मांगों को लेकर दूसरे दिन भी धरना प्रदर्शन पर डटे रहे

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ,दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भूतपूर्व सैनिक संघ के नेतृत्व में भिंड कलेक्ट्रेट पर वीर नारी और पूर्व सैनिक शहीद परिवारों की समस्याओं को लेकर दूसरे दिन भी बैठे धरने पर ,प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जिला अध्यक्ष सूबेदार मेजर राकेश सिंह कुशवाह रिटायर्ड ने बताया कि हमारा धरना शहीद परिवारों को उनका सम्मान वापिस दिलाने को लेकर है,हमारे फौजियों की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं पूर्व सैनिक जगह जगह मारे मारे फिर रहे हैं कोई सुनने वाला नहीं है,अमर शहीद पवन भदौरिया के परिवार को सम्मान राशि अभी तक नहीं मिली जिसमें भिंड कलेक्टर ने कोई कार्यवाही नहीं की उनके पिताजी राजकुमार भदौरिया को ऑफिस में खड़े रखा बैठने तक कुर्सी नहीं दी बदतमीजी से बात की कुछ दिन पहले कैप्टन ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया से अभद्र बरताव किया, शहीद कालोनी को तोड़ने के नोटिस दिए हैं,दूसरे दिन भी धरने पर भिंड कलेक्टर नहीं आए भिंड की भूमि पर जिस तरह भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव द्वारा पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के धरने को नजर अंदाज किया गया वो निंदनीय है,भूतपूर्व सैनिकों ने कहा कि हमारी मांगे तुरंत मानी जाए भिंड कलेक्टर अपने राजशाही व्यवहार के लिए माफी मांगे अन्यथा कल से आंदोलन का स्वरूप कलेक्टर ने अपनी पूरी नौकरी में नहीं देखा होगा वैसा दिखाई देगा आज के धरने में कार्यकारी अध्यक्षअजमेर सिंह भदौरिया,कैप्टन हुकुम सिंह,पुष्पराज सिंह,कप्तान सिंह,राममिलन सिंह भदौरिया,महेश करारिया फौजी गोहद,रामजीलाल भदौरिया,रमेश पाल,शिवरतन सिंह तोमर, करन सिंह,रामजी लाल बघेल,अतर सिंह गुर्जर,रामलछमन सिंह,रामबरन सिंह,रघुराज सिंह,एन के शर्मा, राधाकृष्ण शर्मा,कुलदीप सिंह भदौरिया,शिवरतन सिंह भदौरिया आदि पूर्व सैनिक शामिल रहे।

झाँसी रेलवे मंडल द्वारा बिजली खरीद से की गयी राजस्व की बड़ी बचत

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के दिशा निर्देशन में झाँसी मंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 में सितंबर माह तक मध्य प्रदेश क्षेत्र के 11 ट्रेक्शन सब स्टेशन से रु. 14.95 करो? की बिजली व्यय में राजस्व बचत की गयी है । वहीँ सितंबर माह में रु. 1.61 करोड़ के राजस्व की बचत हुयी है । उक्त बचत खुले बाजार से बिजली खरीद से संभव हुई है । पूर्व में मंडल द्वारा बिजली चुनिन्दा माध्यम से ही ली जाती थी, जिसके फलस्वरूप हमें उनकी तय की गयी दरों के अनुसार ही भुगतान करतना पड़ता था, परन्तु अब खुले बाजार से बिजली खरीद से खुली स्पर्धा के चलते कम दरों में बिजली उपलब्ध हो सकी है । मध्य प्रदेश क्षेत्र के (11ट्रेक्शन सब स्टेशन) दतिया, हेतमपुर,ग्वालियर, भिण्ड,हरपालपुर, निवाड़ी,मालनपुर, ईशानगर,सांक, बसई एवं सिमरिया ताल सब स्टेशन के माध्यम से उक्त राजस्व की बचत की गयी है ।

मानव जीवन में समस्याओं के आने से पूर्व उसका समाधान मौजूद होता है: स्वामी धीरेन्दराचार्य जी

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । 17 बटालियन माता मंदिर प्रांगण पर आयोजित हो रही श्री राम कथा अमृत महोत्सव में अष्टम दिवस की श्री राम कथा मैं व्यास जी महाराज के रूप में अनंत श्री विभूषित हनुमत द्वार पीठाधीश्वरजगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी धीरेन्दराचार्य जी महाराज चित्रकूट धाम द्वारा श्री राम कथा का वाचन किया जा रहा है। आज आठवे दिन व्यास जी ने बताया कि जब हनुमान जी भगवान राम का दूत बनकर लंका में प्रवेश करते हैं, तो वह अपना रूप अत्यंत लघु कर लेते हैं।यहाँ अपने शरीर का आकार छोटा करने का अर्थ यह है कि वह अपने आप मामूली व्यक्ति बनकर माता सीता के सम्मुख जाते हैं। यहां लघुता का अर्थ अभिमान रहित से है। उसके पीछे भी एक मंशा यह है कि मां सीता की भक्ति को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को अभिमान रहित होना होगा। तभी मां सीता की भक्ति मिल सकती है। इसी बीच अशोक वाटिका में रावण का आगमन होता है। यहां रावण का अभिप्राय समस्या से है, वही हनुमान जी का अर्थ सलूशन (समाधान) से है। मानव जीवन में समस्याओं के आने से पूर्व उसका समाधान मौजूद होता है। हजारों की संख्या में भक्ति उमड़कर कथा का रसपान कर रहे हैं। व्यास जी ने बताया की भागवत कथा हो चाहे राम कथा यह जीवन को सरल और सरस बनाने का कार्य करती है। और इन कथाओं के रसपान करने से भवसागर से व्यक्ति मुक्ति प्राप्त कर लेता है।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 83 लोगों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर । कलेक्ट्रेट में आयोजित जन-सुनवाई में इस बार 83 लोगों की समस्यायें सुनी गईं। अपर कलेक्टर कुमार सत्यम व टी एन सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 83 आवेदनों में से 43 दर्ज किए गए। शेष 40 आवेदन संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधे ही निराकरण के लिये दिए गए। सभी अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली इत्यादि

से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ जरूरतमंदों के नि:शुल्क इलाज का इंतजाम भी जन-सुनवाई में कराया गया। जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर आम जनों की समस्याओं के निराकरण के लिए जन-सुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिले में पंचायत स्तर पर पटवारी एवं जीआरएस की उपस्थिति में जन-सुनवाई कर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया गया। राजस्व एवं अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा पंचायत स्तर पर आयोजित जन-सुनवाई का निरीक्षण भी किया गया। जिले में पंचायत स्तर पर पटवारी एवं जीआरएस ने उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया।

मंत्री नारायण सिंह ने जरूरतमंदों को सौंपे आर्थिक सहायता के चैक

ग्वालियर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने अपने विधायक स्वेच्छानुदान से मंगलवार को लगभग एक सैंकड़ा जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता के चैक सौंपे। उन्होंने कहा सरकार दीन-दुखियों और जरूरतमंदों की मदद के लिये कटिबद्ध है। इसी भाव के साथ आज यह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लोगों को इलाज, बच्चों की पढ़ाई, भरण-पोषण इत्यादि के लिये आर्थिक सहायता के चैक मंगलवार को वितरित किए।

बाजना गांव में लूट के बाद वृद्ध महिला की हत्या

ग्वालियर। भितरवार के बेलगड़ा इलाके में एक 68 साल की बुजुर्ग महिला के घर में बदमाशों ने लूट

के बाद उसकी हत्या कर दी। मृतिका की पहचान कुसुम प्रजापति के रूप में हुई है। महिला के कपड़ों पर खून के निशान मिले हैं, जिससे ये आशंका जताई जा रही है कि उसके साथ घिनौना अपराध करने के बाद उसकी जान ली गई है। घटना बाजना गांव की है, जहां कुसुम प्रजापति अपने घर में अकेली थीं। उनका पति काम के लिए खेत पर गया हुआ था। सुबह जब पड़ोसियों ने महिला के घर से कोई आवाज नहीं सुनी तो उन्हें कुछ शक हुआ। पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा तो महिला का शव संदिग्ध स्थिति में पड़ा था और घर का सामान बिखरा हुआ था। परिजनों के अनुसार महिला के जेवरात और नकदी भी गायब हैं, जिससे यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि वारदात के बाद लूटपाट भी की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। एसडीओपी जितेंद्र नगाइच ने बताया कि महिला की मौत प्रथम दृष्ट्या हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस ने महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के असल कारणों का पता चल सकें।

अंचल के व्यापारिक विकास के लिये हर संभव मदद करेंगे: बी.एम. अग्रवाल

कैट की संभागीय व्यापारिक बैठक संपन्न

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय चैयरमैन बी.एम.अग्रवाल ने कहा कि ग्वालियर चम्बल संभाग में व्यापारिक गतिविधियों के लिये कैट सराहनीय कार्यकर रही है। हम सरकार से व्यापारियों की तकलीफें दूर करने के लिये हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खण्डेवाल जी, जो कि चांदनी चौक नई दिल्ली से लोकसभा के सदस्य है, उन्हें हाल ही में लोगसभा में उदयोग व्यापार संसदीय समिति के सदस्य मनोनीत किये जाने पर कहा कि अभी तक हम सरकार के बाहर रहकर अपनी आवाज उठाते थे अब वर्षो के संघर्ष के बाद यह अवसर आया है कि हम सरकार के अंग बने है और अब नितियों के निर्माण में कैट महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। कैट के राष्ट्रीय चैयरमैन बी.एम. अग्रवाल ग्वालियर चम्बल संभाग के 8 जिलों के पदाधिकारियों को सम्बोधितकर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि होटल क्लार्क-इन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश पदाधिकारी एवं ग्वालियर, शिवपुरी, मुरैना, डबरा, भिण्ड आदि स्थानों से पदाधिकारियों ने आकर अपनी समस्याओं से राष्ट्रीय चैयरमैन बी.एम .अग्रवाल को अवगत कराया। व्यापारियों को सबसे ज्यादा तकलीफ जीएसटी के जटिल प्रावधानों पर है जिस पर निरंतर काम किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम के प्रारंभ में रवि गुप्ता,आकाश जैन, सुजीत अग्रवाल,विवेक मिश्रा, मुकेश जैन एवं अन्य पदाधिकारियों ने बी.एम.अग्रवाल का पुष्पहार से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संभागीय महामंत्री मुकेश जैन ने किया जबकि आभार प्रदर्शन सुजीत अग्रावाल ने किया। स्वागत भाषण प्रदेश महामंत्री रवि गुप्ता एवं यूथविग प्रदेश प्रभारी आकाश जैन ने दिया।इस अवसर पर प्रदेश सचिव अनिल जैन, मुरैना अध्यक्ष संजय अग्रवाल, भिण्ड अध्यक्ष संजीव जैन, महामंत्री विवेक जैन, संगठन महामंत्री हरिओम चौरसिया, संयुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, संयुक्त महामंत्री मुकेश अग्रवाल, वरिष्ठउपाध्यक्ष गोपाल जयसवाल, कोडीनेटर कमल अग्रवाल, सौरभ खण्डेलवाल, महामंत्री जितेन्द्र जैन डबरा,कोषाध्यक्ष मयूर गर्ग,प्रशात, कोर मेम्बर शिवशंकर अग्रवाल, विवेक जैन भितरवार, प्रदीप गोयल भितरवार, राजीव जैन भिण्ड,संजय अग्रवाल मुरैना रवि गुप्ता संगठन मंत्री मुरैना व अनेक व्यापारी साथी उपस्थित थे।

मार्कण्डेश्वर महादेव मंदिर के चोरों ने ताले तोड़े

चोर मंदिर से मोबाइल, लैपटॉप और दान पेटी तोड़कर नकदी ले गए

ग्वालियर । फूलबाग चैराहे पर स्थित श्री मार्कण्डेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार रात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों मंदिर से लैपटॉप, मोबाइल और दानपेटी के ताले तोड़कर उसमें रखी नकदी चुरा ले गये। चोरी की यह पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गई है। सुबह जब पुजारी की मां जागी तो मंदिर और दानपेटी के ताले टूटे हुए मिले। स्थिति को समझते ही तुरंत पड़ाव पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। पुजारी की मां की शिकायत पर पड़ाव पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है। पड़ाव थाना क्षेत्र के फूलबाग चैराहे पर स्थित श्री मार्कण्डेश्वर महादेव मंदिर की देखरेख पंडित मनोज भार्गव करते हैं, जो अपनी पत्नी नीतू और मां के साथ मंदिर में रहते हैं। सोमवार को पुजारी मनोज भार्गव अपनी बुजुर्ग मां को मंदिर के घर में छोड़कर अपनी पत्नी नीतू के साथ आगरा किसी रिश्तेदार से मिलने गए थे। इसी दौरान सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात दो चोर मंदिर के पिछले दरवाजे का ताला तोड़कर मंदिर में अंदर घुस गए। उन्होंने कमरे में सो रही दादी के पास रखा मोबाइल, लैपटॉप, मंदिर में बजने वाले भजन का म्यूजिक सिस्टम और दानपेटी तोड़कर उसमें रखी नकदी चुरा ली। चोरी की यह घटना मंदिर में लगे सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गई है। सुबह जब पुजारी की मां जागी, तो दानपेटी टूटी पड़ी थी और अन्य सामान चोरी हो चुका था। यह देखते ही उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुजारी की मां की शिकायत पर पड़ाव पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर उनकी तलाश पुलिस कर रही है।

रशियन गर्ल ने क्लब में डांस करने से मना किया तो पासपोर्ट छीना

ग्वालियर। सिटी सेंटर के एक क्लब एंड बार में उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब एक रशियन गर्ल ने क्लब में डांस करने से मना कर दिया। एजेंट उसे रेस्टोरेंट में जॉब का ऑफर देकर लाया था, लेकिन बाद में उसे डांस करने के लिए छोड़ दिया। जब रशियन गर्ल को असली काम का पता लगा तो उसने डांस करने से मना कर दिया। विरोध करने पर एजेंट ने उसका पासपोर्ट छीन लिया। पासपोर्ट के बिना रशियन गर्ल वापस भी नहीं लौट पा रही थी। जिसके बाद एक आम आदमी की मदद से रशियन गर्ल विश्वविद्यालय थाना पहुंची और पुलिस से अपनी बात कही। पुलिस ने पासपोर्ट छीनने वाले को पकड़ लिया है। शहर के सिटी सेंटर स्थित हाईप क्लब एंड बार में नौकरी करने के लिए आई रशियन महिला यूलिया निवासी क्रीमिया रशिया का पासपोर्ट छीन लिया गया। महिला परेशान होकर इधर-उधर भटक रही थी, तभी शहर के एक आम नागरिक ने उसकी मदद की है। आम नागरिक उसे सोमवार को विश्वविद्यालय थाना लेकर पहुंचा है। यहां रशियल गर्ल ने रोते हुए डीएसपी हिना खान को अपनी बात बताई। डीएसपी हिना खान ने उसे बैठाया और बात करना चाही, लेकिन वह हिंदी और अंग्रेजी बोलना नहीं जानती थी। वह रशियन भाषा में ही बात कर पा रही थी। इसके बाद रशियन लैंगवेज बोलने और समझने वाले मीडिएटर की मदद से डीएसपी ने की उससे बात की। इस दौरान महिला रोने लगी और बोली कि उसे जिस एजेंट ने बुलाया था, वह नौकरी के बहाने बुलाकर जबरन क्लब में नचाना चाहता था। मैं डांस नहीं चाहती हूं, मेरे विरोध करने पर एजेंट दीपू कुमार ने मेरा पासपोर्ट छीन लिया, जिससे मैं वापस भी नहीं जा पा रही हूं।

21 बैगा बहुल एवं 12 भारिया बहुल बसाहटों के हेबिटेट राइट को मिली मान्यता

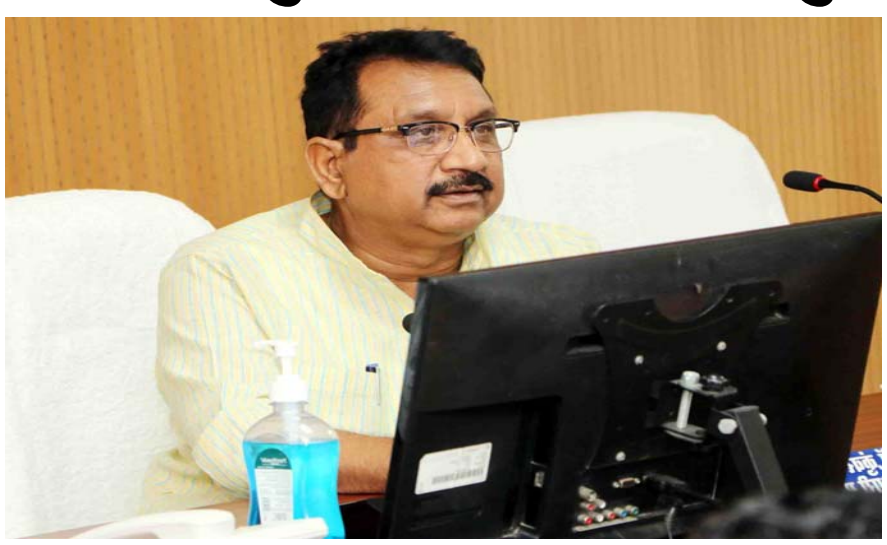

भोपाल। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत इन (पीवीटीजी) की बसाहटों का भी संरक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा डिण्डोरी जिले की 7 एवं मंडला जिले की 14, कुल 21 बैगा जनजाति बहुल बसाहटों के हेबिटेट राइट को मान्यता दे दी गई है। इसी प्रकार छिंदवा?ा जिले में 12 भारिया जनजाति बहुल बसाहटों के हेबिटेट राइट को भी मान्यता प्रदान कर दी गई है। पर्यावास अधिकार (हेबिटेट राइट) मिलने से आशय यह है कि इस विशेष अधिकार से पिछ?ी जनजातियों को उनकी पारम्परिक आजीविका स्त्रोत और पारिस्थितिकीय ज्ञान को सुरक्षित रखने में भरपूर मदद मिलेगी। ये अधिकार इन पीवीटीजी समुदायों को खुद के विकास के लिए शासकीय योजनाओं और विकास नीतियों/कार्यक्रमों तक पहुंचने के लिए सशक्त बनाते हैं। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि हैबिटेट राइट्स की मान्यता मिलने के बाद ये पिछ?ी जनजातियां अपने जीवन में एक सकारात्मक बदलाव ला रही है। अब वे अपने परम्परागत जंगलों में अपनी आजीविका को बेहतर तरीके से चला रही हैं और अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह धरोहर के रूप में भी सौंप सकते हैं। हेबिटेट राइट मिलने से ये जनजातियां अब न केवल अपने जल, जंगल, जमीन, जानवर का संरक्षण करने के लिए सक्षम हुए हैं, बल्कि अपनी पारम्परिक कृषि, औषधीय पौधों, ज?ी-बूटियों के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के यथा आवश्यकतानुसार उपयोग को लेकर भी स्वायत्त धारणाधिकारी (स्वतंत्र) हो गई हैं।उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सुदूर वन क्षेत्रों में बसीं बैगा और भारिया जनजातियां लंबे समय से जंगलों और पहाड़ियों में अपनी परम्परागत जीवनशैली जीने की आदी हैं। पहले इन जनजातियों के पास न तो अपनी जमीन का अधिकार था, न ही जंगल पर अपना नियंत्रण। यही उनकी संस्कृति और अस्तित्व के लिए एक बड़ा अवरोध था। बैगा और भारिया जनजातियां मध्यप्रदेश की विशेष रूप से पिछ? एवं कमजोर जनजातियों (पीवीटीजी) में आती हैं। इनकी जीवनशैली पूरी तरह से प्रकृति पर निर्भर करती है। इनके लिए जंगल केवल जीविका का साधन नहीं है, बल्कि यह उनकी परंपराओं, रीति-रिवाजों, और पहचान का अभिन्न हिस्सा है। ये समुदाय सरकार से अपने जंगल और जीवन पर अधिकार की सुरक्षा और अपनी देशज पुरा संस्कृति की सुरक्षा की मांग कर रहे थे। सरकार ने इनकी इस मांग को गंभीरता से लिया और 21 बैगा बसाहटों तथा 12 भारिया बसाहटों के पर्यावास अधिकार (हैबिटेट राइट्स) को मान्यता प्रदान कर दी। हैबिटेट राइट केवल एक कानूनी अधिकार ही नहीं है, बल्कि इन पीवीटीजी की मूल पहचान और प्राकृतिक संस्कृति को बचाने की दिशा में सरकार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478